RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 23 डिग्री
न्यूनतम तापमान 11 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 22 डिग्री
न्यूनतम तापमान 10 डिग्री

शुक्रवार 28 नवंबर 2025
सूर्योदय प्रातः 06:54 बजे
सूर्यास्त सायं 17:24 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 भारत-कनाडा के रिश्तों में गर्माहट बड़े बदलाव का संकेत

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 17 | अंक : 042 | गाजियाबाद, शुक्रवार 28 नवंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

समय रैना और अन्य लोग दिव्यांगों की मदद करने के लिये जागरूकता कार्यक्रम करें: सुप्रीम कोर्ट

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। उच्चतम न्यायालय ने कॉमेडियन समय रैना, विपुल गोयल, बलराज घई, सोनाली ठक्कर और निशांत तंवर को निर्देश दिया है कि वे अपने प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल दिव्यांग लोगों, जिनमें स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एसएमए) से पीड़ित लोग भी शामिल हैं, उनके लिए जागरूकता फैलाने और फंड जुटाने के लिए करें। दूसरी ओर न्यायालय ने केंद्र सरकार से विकलांग लोगों की सुरक्षा के लिए एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम जैसा एक खास कानून लाने पर भी विचार करने को कहा। मुख्य न्यायाधीश ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से पूछा, "आप विकलांग लोगों के लिए एससी-एसटी अधिनियम जैसे कानून के बारे में क्यों नहीं सोचते?"

एनआईए अदालत ने नकली नोट मामले में दी पाकिस्तानी नागरिक को 10 साल की सजा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की एक विशेष अदालत ने राजस्थान में 2019 के नकली नोट मामले में एक पाकिश्तानी नागरिक को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी रण सिंह को सजा सुनाते हुए उस पर 94,000 रुपये मूल्य के नकली भारतीय मुद्रा नोट (एफआईसीएन) की जब्ती से संबंधित मामले में 30,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। आरोपी को मई 2019 में राजस्थान के मुन्नाबाओ स्थित लैंड कस्टम स्टेशन से गिरफ्तार किया गया था, जबकि उसका सह-साजिशकर्ता पाकिश्तानी नागरिक कुनपजी अभी भी फरार है। एनआईए ने नवंबर 2019 में दोनों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था और जयपुर की विशेष अदालत ने मंगलवार को रण सिंह को आईपीसी की धारा 489बी और 489सी तथा यूए(पी) एक्ट की धारा 16 के तहत सजा सुनाई और प्रत्येक अपराध के लिए 10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। एनआईए फरार कुनपजी की तलाश कर रही है।"

मेडिकल कॉलेज भ्रष्टाचार मामले में ईडी की कई राज्यों में 15 ठिकानों पर छापेमारी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को चिकित्सा महाविद्यालयों से जुड़े भ्रष्टाचार घोटाले के सिलसिले में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के 15 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। यह छापेमारी केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की दर्ज प्राथमिकी के आधार पर की गयी है। सीबीआई की प्राथमिकी में आरोप लगाया है कि राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के अधिकारियों को गोपनीय निरीक्षण विवरण लीक करने के एवज में रिश्वत दी गयी थी। आरोप है कि इस जानकारी के लीक होने से मेडिकल कॉलेजों को जरूरी मापदंडों में हेरफेर करने और अवैध रूप से अनुमोदन लेने में मदद मिली। जिन परिसरों की तलाशी ली जा रही है, उनमें सात मेडिकल कॉलेज और निजी आरोपियों के ठिकाने शामिल हैं।

सिद्दारमैया ने मुख्यमंत्री पद को बरकरार रखने की कोशिशें तेज़ कीं

✷ वेबवार्ता. बेंगलुरु ✷। कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने अपनी कुर्सी बचाने की कोशिशें तेज़ कर दीं हैं जबकि उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के खेमे ने नई दिल्ली में पार्टी आलाकमान पर दबाव बढ़ा दिया है। श्री शिवकुमार के 2023 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की जीत के बाद 'पांच-छह नेताओं के बीच नेतृत्व परिवर्तन पर एक गोपनीय समझ' होने की बात सबके सामने कहने के एक दिन बाद उनके गुट ने ढाई साल के सत्ता साझेदारी फॉर्मूले का हवाला देते हुए राष्ट्रीय राजधानी का दौरा किया है। उनके साथ जुड़े कई विधायकों ने दिल्ली में शीर्ष नेताओं से मुलाकात की और केन्द्रीय नेतृत्व से तुरंत फैसला लेने की अपील की।

ऑपरेशन सिंदूर, सैन्य शक्ति और शांति के संकल्प का प्रतीक : मुर्मु

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रपति और तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर द्रौपदी मुर्मु ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत की आतंकवाद-रोधी और प्रतिरोधक रणनीति का प्रतीक बताते हुए कहा है कि भारत शांति चाहता है लेकिन अपनी सीमाओं तथा लोगों की सुरक्षा के लिए दृढ़ता और संकल्प के साथ किसी भी स्थिति से निपटने को तैयार है।

श्रीमती मुर्मु ने गुरुवार को यहां सेना द्वारा आयोजित संगोष्ठी 'चाणक्य डिफेंस डायलॉग-2025' के तीसरे संस्करण के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने देश की संप्रभुता की रक्षा में पेशेवराना दक्षता और देशभक्ति का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, ''हमारे बलों ने हर सुरक्षा चुनौती चाहे पारंपरिक हो, उग्रवाद विरोधी हो या मानवीय, हमारे बलों ने अद्भुत क्षमता और दृढ़ संकल्प दिखाया है।'

'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता को देश की आतंकवाद-रोधी और प्रतिरोधक रणनीति का निर्णायक क्षण बताते हुए उन्होंने कहा, 'इसने न केवल भारत की सैन्य क्षमता को दुनिया के सामने रखा, बल्कि जिम्मेदार और दृढ़ तरीके से शांति के लिए कार्य करने की भारत की नैतिक स्पष्टता को भी प्रदर्शित किया।' श्रीमती मुर्मु ने कहा सशस्त्र बल अपने संचालन दायित्वों से परे राष्ट्रीय विकास के शतंभ भी हैं। सीमाओं को मजबूत करने के साथ-साथ उन्होंने बुनियादी ढाँचा, कनेक्टिविटी, पर्यटन और शिक्षा के माध्यम से सीमा क्षेत्र के विकास में भी योगदान दिया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि मौजूदा भू-राजनीतिक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। वैश्विक व्यवस्था प्रतिस्पर्धी शक्ति केंद्रों, तकनीकी उथल-पुथल और बदलते गठबंधन के कारण नया आकार ले रही है। साइबर, अंतरिक्ष और सूचना युद्ध जैसे नए प्रतिस्पर्धी क्षेत्रों ने शांति और संघर्ष की रेखाओं को धुंधला कर दिया है। उन्होंने कहा कि 'वसुधैव कुटुंबकम' की हमारी सभ्यतागत भावना से प्रेरित होकर भारत ने दिखाया है कि रणनीतिक स्वायत्तता वैश्विक जिम्मेदारी के साथ हमारी कूटनीति, अर्थव्यवस्था और सशस्त्र बल मिलकर ऐसे भारत की छवि प्रश्तुत करते हैं जो शांति चाहता है, लेकिन अपने सीमाओं और नागरिकों की सुरक्षा के लिए दृढ़ता और संकल्प के साथ तैयार है।

राष्ट्रपति ने इस बात पर खुशी जाहिर की कि सेना ' बदलाव के दशक' के अंतर्गत सुधारों के माध्यम से स्वयं को बदल रही है। वह संरचनाओं में सुधार कर रही है, सिद्धांतों को पुनर्परिभाषित कर रही है और सभी क्षेत्रों में भविष्य के लिए सक्षम बनने के लिए क्षमताओं का पुनर्निर्माण कर रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये रक्षा सुधार भारत को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होंगे।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि सेना युवाओं और मानव संसाधन में निवेश कर रही है। वह शिक्षा, एनसीसी विश्तार और खेलों के माध्यम से युवाओं में देशभक्ति का भाव विकसित कर रही है। उन्होंने कहा कि युवा महिला अधिकारियों और सैनिकों की भूमिका तथा सहभागिता के विश्तार से समावेशिता की भावना को बढ़ावा मिलेगा और इससे अधिक युवा महिलाएं सेना में शामिल होने और अन्य पेशों को अपनाने के लिए प्रेरित होंगी।

'कोई जादुई छड़ी नहीं': एनसीआर प्रदूषण पर एससी ने जतायी चिंता

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सुप्रीम कोर्ट दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण (एमसी मेहता मामला) से संबंधित मामले को अगले सोमवार को तत्काल सूचीबद्ध करने पर सहमत हो गया है लेकिन न्यायालय ने आगाह किया कि न्यायपालिका से इस श्तर के संकट का तुरंत समाधान देने की उम्मीद नहीं की जा सकती है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने गुरूवार को इस मामले की तत्काल सूचीबद्धता के उल्लेख की सुनवाई करते हुए टिप्पणी की कि दिल्ली की बिगड़ती वायु गुणवत्ता एक "स्वास्थ्य आपातकाल" है। पीठ ने हालांकि इस बात पर जोर दिया कि न्यायालय को तदर्थ न्यायिक निर्देशों के बजाय वैज्ञानिक और विशेषज्ञ जानकारी पर निर्भर रहना चाहिए। राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण की "खतरनाक" स्थिति को उजागर करने वाली 'न्याय मित्र' वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह से मुख्य न्यायाधीश ने कहा, "हम समस्या जानते हैं। हमें सभी कारणों की पहचान करने की आवश्यकता है। कोई एक अकेला कारण नहीं है, ऐसा सोचना गलती होगी।" न्यायपालिका की सीमाओं का उल्लेख करते हुए, मुख्य न्यायाधीश ने पूछा, "कोई अदालत क्या जादुई छड़ी चला सकती है? मुझे बताएं, हम क्या निर्देश दे ताकि तुरंत स्वच्छ हवा मिल जाए?" पीठ ने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह समझना आवश्यक है कि सरकार ने कौन सी समितियां बनाई हैं, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग क्या कर रहा है, और विभिन्न क्षेत्रों में कौन से समाधान व्यावहारिक हैं।

अधिवक्ता सिंह ने न्यायालय को सूचित किया कि आयोग पहले से ही स्थिति की निगरानी कर रहा है और निर्देश जारी कर रहा है। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश ने जोर दिया कि तदर्थ हल को दीर्घकालिक तंत्र से बदलने की जरूरत है।

क्या आधार रखने वाले "घुसपैठियों" को वोट देने का हक मिलना चाहिए?: एससी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उच्चतम न्यायालय ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया की संवैधानिक वैधता पर एक अहम सुनवाई के दौरान गुरूवार को पूछा, "क्या ऐसे लोग जो गैर-कानूनी तरीके से भारत में आये हैं, लेकिन जिनके पास कल्याण कारी योजनाओं के लाभों को लेने के लिए आधार कार्ड हैं, उन्हें भी वोट देने का हक होना चाहिए?" मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की एक पीठ ने एसआईआर को चुनौती देने वाली अलग-अलग राज्यों की याचिकाओं पर सुनवायी करते हुए यह बात कही।

यह बात पश्चिम बंगाल और केरल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल के इस तर्क के बाद आई कि आधार कार्ड होने के बावजूद मतदाताओं को बाहर रखा जा रहा है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने स्पष्ट किया कि आधार का मकसद इसे बनाने वाले कानून के तहत योजनाओं का लाभ पाने तक ही सीमित है। उन्होंने पूछा "मान लीजिए कि पड़ोसी देशों से लोग यहां आते हैं और यहां रिक्शा चलाने या मज़दूरी करने लगते हैं। अगर आप आधार कार्ड इसलिए जारी करते हैं ताकि उन्हें सब्सिडी वाला राशन मिल सके, तो यह हमारे संवैधानिक मूल्यों के हिसाब से है।

लेकिन क्या इसका मतलब यह है कि क्योंकि उन्हें यह फ़ायदा दिया गया है, तो अब उन्हें वोटर भी बना देना चाहिए?" बिहार में मतदाता सूची से नाम हटाने को लेकर जतायी गयी चिंताओं पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि बड़े पैमाने पर मीडिया कवरेज ने

एसआईआर प्रक्रिया को पूरे राज्य में मशहूर कर दिया है। "कभी-कभी हमें मीडिया को पूरा क्रेडिट देना चाहिए। अगर दूर-दराज़ के इलाकों के लोगों को जानकारी थी कि नई लिस्ट आ रही है, तो क्या कोई कह सकता है कि उन्हें पता नहीं था?"

अधिवक्ता सिब्बल की इस बात पर कि एसआईआर प्रक्रिया का बोझ मतदाताओं पर नहीं पड़ना चाहिए, और सॉफ्टवेयर फर्जी मतदाताओं का असरदार तरीके से पता लगा सकता है, न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि तकनीकी उपकरण मृत मतदाताओं की पहचान नहीं कर सकते। "यह सब राजनीतिक रुझान पर निर्भर करता है। अगर पार्टी 'अ' मज़बूत है, तो सभी मृत मतदाता उसी पार्टी को वोट देंगे। इसीलिए मृत मतदाताओं को हटाना होगा।

बूथ श्तरीय अधिकारी (बीएलओ) की गलतियों के बारे में चिंता जताते हुए, न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि सर्वे शायद ही कभी पूर्ण होते हैं और इसलिए सुधार के लिए मसौदा सूची प्रकाशित की जाती हैं। पीठ ने दोहराया कि सूची से हटाये गये और बाहर चले गये मतदाताओं की सूची न केवल ऑनलाइन बल्कि पंचायतों और स्थानीय निकायों में भी अपलोड की जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का स्थलीय निरीक्षण और भ्रमण

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ द्वारा गुरुवार को जिला गौतमबुद्धनगर स्थित ग्रेटर नोएडा के जेवर नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निरीक्षण किया और परियोजना की प्रगति के सम्बंध में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ द्वारा गुरुवार को गौतमबुद्धनगर के जेवर में निर्माणाधीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का स्थलीय निरीक्षण किया, उन्होंने टर्मिनल, उद्घाटन समारोह स्थल, सुरक्षा प्रबंधन, यातायात व्यवस्था और विभिन्न निर्माण गतिविधियों की प्रगति के बारे में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। जहां निरीक्षण के उपरांत मुख्यमंत्री द्वारा परियोजना की प्रगति पर समीक्षा बैठक के दौरान एयरोड्रम लाइसेंस कि प्राप्ति पर चर्चा की।

इस पर उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि ब्यूरो आफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी और सीआईएसएफ अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर सभी सुरक्षा मानकों को तत्काल पूर्ण किया जाए और सिक्योरिटी क्लीयरेंस प्राप्त करने की प्रक्रिया पूरी की जाए।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि एयरपोर्ट प्रदेश की महत्वाकांक्षी परियोजना है, इसलिए जहां भी सुरक्षा या अन्य कार्य शेष हैं,उन्हें तेज गति और सर्वोत्तम गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश के विकास और वैश्विक निवेश की नई पहचान बनने जा रहा है। इसलिए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, समयबद्धता और विभागीय समन्वय सर्वोच्च प्राथमिकता पर होना चाहिए। उन्होंने सभी संबंधित एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि उद्घाटन समारोह की तैयारियों को पूर्ण करे।

जहां उन्होंने अग्रिम जानकारी देते हुए बताया कि उद्घाटन के समय एयरपोर्ट एक रनवे के साथ सुचारू होगा, जिसके संचालन से प्रति वर्ष यात्रियों की क्षमता लगभग एक करोड़ से अधिक होगी, पूरी क्षमता पर विकसित होने पर जेवर एयरपोर्ट में कुल 5 रनवे होंगे, इसका विश्तार आने वाले समय में 11,750 एकड़ तक होगा, और यह प्रतिवर्ष 30 करोड़ यात्रियों को सेवा देने में सक्षम होगा जो इसे विश्व के सबसे बड़े एयरपोर्ट्स में शामिल कर देगा।

पूर्ण बैठक के उपरांत सीएम श्री योगी आदित्यनाथ नोएडा सेक्टर 50 स्थित निजी अस्पताल का उद्घाटन करने पहुंचे जहां उद्घाटन और संबोधन परांत गौतमबुद्धनगर सांसद महेश शर्मा जी के माता जी की अन्त्येष्टि में शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

इसरो प्रमुख ने पहले निजी नेविगेशन केन्द्र 'एसीईएन' का शुभारंभ किया

✷ वेबवार्ता. तिरुवनंतपुरम ✷

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने भारत के पहले निजी क्षेत्र के नेविगेशन नवाचार केंद्र अनंत सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर नेविगेशन (एसीईएन) का उद्घाटन केरल के तिरुवनंतपुरम में किया। अनंत टेक्नोलॉजीज द्वारा स्थापित इस केंद्र का उद्घाटन मंगलवार को किया गया।

उद्घाटन समारोह में रक्षा, अंतरिक्ष और शैक्षणिक संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए थे। कंपनी ने नेविगेशन के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह आधुनिक रक्षा और नागरिक जीवन की अदृश्य रीढ़ है। इस दृष्टि से यह केंद्र नेविगेशन प्रौद्योगिकियों में राष्ट्र की आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। गौरतलब है कि 1992 में स्थापित अनंत टेक्नोलॉजीज ने इसरो और रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के हर प्रमुख मिशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसने उपग्रहों तथा प्रक्षेपण यानों में सटीक सेंसर विकास, 'एयरवर्थनेस प्रोटोकॉल' और सिस्टम एकीकरण के लिए अपनी अलग ही पहचान बनायी है।

मिसाइलों और विमानों से लेकर जहाजों और उपग्रहों तक सटीक नेविगेशन सुरक्षा मिशन की सफलता और सटीकता को तय करता है। भारत का पिछला अनुभव बताता है कि संघर्ष के दौरान विदेशी जीपीएस सूचना पर निर्भरता कितना घातक हो सकता है।

विदेशी इकाइयाँ ऐसी सूचना देने से मना कर सकती है। हमारे रक्षा उपकरणों में इश्तेमाल हुए विदेशी नेविगेशन प्रणालियों के रखरखाव और मरम्मत के संबंध दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि किसी भी प्रकार की खराबी आने की स्थिति में उन उपकरणों को विदेशी इकाइयों के पास भेजना पड़ता है।

वस्त्र क्षेत्र के लिए 305 करोड़ रुपये की टेक्स-रैम्प्स योजना को मंज

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

वस्त्र क्षेत्र के लिए 305 करोड़ रुपये की 'टेक्स-रैम्प्स' योजना को मंजूरी मिल गई है। केंद्र सरकार ने वस्त्र क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार और प्रतिस्पर्धा को मजबूत करने के लिए वस्त्र केंद्रित अनुसंधान, मूल्यांकन, निगरानी, योजना और स्टार्ट-अप (टेक्स-रैम्प्स) योजना को मंजूरी दी है। यह योजना आगामी वित्त आयोग चक्र के साथ समाप्त होगी। इसे केंद्रीय क्षेत्र की योजना के रूप में लागू किया जाएगा, जो पूरी तरह से वस्त्र मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित होगी।

केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने इस योजना की घोषणा करते हुए कहा कि टेक्स-रैम्प्स योजना देश के वस्त्र क्षेत्र को सशक्त बनाने और राष्ट्र को स्थिर, प्रौद्योगिकी और प्रतिस्पर्धात्मकता में वैश्विक गुरू के रूप में स्थापित करने के लिए अनुसंधान, डेटा और नवाचार को एक साथ लाती है। उन्होंने कहा कि देश के वस्त्र और परिधान (टी एंड ए) इको-सिस्टम को भविष्य के लिए सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से टेक्स-रैम्प्स को अनुसंधान, डेटा प्रणालियों, नवाचार समर्थन और क्षमता विकास में महत्वपूर्ण अंतराल को दूर करने के लिए डिजाइन किया गया है।

अनुसंधान एवं नवाचार :-भारत की नवाचार क्षमता को बढ़ावा देने के लिए स्मार्ट वस्त्र, स्थिरता, प्रक्रिया दक्षता और उभरती प्रौद्योगिकियों में उन्नत अनुसंधान को बढ़ावा देना।

डेटा, विश्लेषण और निदानः- साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण को सुविधाजनक बनाने के लिए रोजगार मूल्यांकन, आपूर्ति श्रृंखला मैपिंग और इंडिया-साइज़ स्टडी सहित मजबूत डेटा प्रणालियों का निर्माण।

एकीकृत वस्त्र सांख्यिकी प्रणाली (आईटीएसएस) :-संरचित निगरानी और रणनीतिक निर्णय लेने में सहायता के लिए एक वाश्तविक समय, एकीकृत डेटा और विश्लेषण मंच।

गोरखपुर-पीलीभीत एक्सप्रेस का इज्जतनगर तक विस्तार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

रेलवे ने गोरखपुर-पीलीभीत एक्सप्रेस ट्रेन को इज्जतनगर तक विश्तार किया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और वाणज्यि एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने गुरुवार को वीडियो क्रांफ्रेंसिंग के माध्यम से ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस विश्तार से उत्तर प्रदेश के लोगों को बहुत फायदा होगा। पीलीभीत-इज्जतनगर सेक्शन पर 15009/15010 गोरखपुर-इज्जतनगर एक्सप्रेस नए मार्ग से चलेगी।

रेल भवन में आयोजित समारोह में रेल मंत्री वैष्णव ने कहा कि पीलीभीत, बरेली और आस-पास के दूसरे इलाकों के विकास के लिए मेरे साथी मंत्री एवं पीलीभीत से सासंद जितिन प्रसाद बहुत मेहनत कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश की रेलवे परियोजनाओं के लिए 19,000 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है, जिससे राज्य में तेजी से विकास होगा। जितिन प्रसाद ने कहा कि इससे क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूत करने, विकास को बढ़ावा देने, परिवहन को बेहतर बनाने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में बहुत मदद मिलेगी। ट्रेन संख्या 15009 गोरखपुर-इज्जतनगर एक्सप्रेस गोरखपुर से रात 10.15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन दोपहर 12:45 बजे इज्जतनगर पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन दोपहर बाद 3:10 बजे इज्जतनगर से प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 7:00 बजे गोरखपुर पहुंचेगी।

शॉर्ट-सर्किट से जूते के शोरूम में लगी आग, जला सामान

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। दनकौर कस्बे के लंबा बाजार में बुधवार रात जूते के एक शोरूम में आग लग गई। आग से लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया। गनीमत रही कि आग अन्य दुकानों तक नहीं पहुंच पाई। शॉर्ट-सर्किट से आग लगने की बात सामने आई है। कस्बा निवासी मुकेश मित्तल का लंबा बाजार में जूते का शोरूम है। बुधवार देर शाम वह रोजाना की तरह दुकान बंद करके अपने घर आ गए। देर रात सूचना मिली कि दुकान में आग लग गई है। मौके पर पहुंचे तो देखा कि आग ने विकराल रूप धारण किया था। हादसे में लाखों का सामान जलकर राख हो गया। बाद में फायर ब्रिगेड की टीम को सूचना दी गई। आग पर काफी कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया गया। लेकिन तब तक सारा सामान जलकर राख हो चुका था। पीड़ित ने कहा कि प्राथमिक जांच में पता चला है कि बिजली के शॉर्ट-सर्किट से दुकान में यह आग लगी है। कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने कहा कि अभी पीड़ित की तरफ से कोई शिकायत नहीं दी गई है। शिकायत मिलने पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

ऑनलाइन स्टोर चेन में निवेश कराने के नाम पर बिल्डर से 60 लाख ठगे

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷। साइबर अपराधियों ने बिल्डर से ऑनलाइन स्टोर चेन में निवेश कराने के नाम पर 60 लाख रुपये ठग लिए। मुनाफे समेत पूरी रकम नहीं निकलने पर पीड़ित को ठगी का पता चला। पीड़ित ने साइबर अपराध थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। सेक्टर-43 में रहने वाले मनोज ने पुलिस को बताया कि वह बिल्डर हैं। वह 20 अगशत को फेसबुक से माही नाम की महिला ठग के संपर्क में आए। उसके बाद व्हाट्सऐप पर बात होने लगीं। ठग ने ऑनलाइन स्टोर से जुड़कर खुद कारोबार करने और 15-20 प्रतिशत तक लाभ होने की जानकारी दी। मनोज को भी अपनी गारंटी पर कारोबार करने के लिए तैयार कर लिया। मनोज ने ठग के कहने पर विश शॉप नाम के स्टोर पर एकमुश्त सामान खरीदना शुरू कर दिया। 24 घंटे में ही ऑनलाइन सामान बेच दिया। पहली ही डील पर मनोज को 20 प्रतिशत का लाभ हुआ। रकम बैंक में खाते में ट्रांसफर होने पर मनोज का विश्वास बढ़ने लगा। मनोज ने 24 नवंबर तक 22 बार में 60 लाख रुपये निवेश कर दिए। जालसाजों द्वारा डाउनलोड कराए गए ऐप पर 1.10 करोड़ रुपये दिखने लगे तो मनोज ने मुनाफे समेत रकम निकालने का आवेदन किया। ठगों ने कर के रूप में 11 लाख जमा कराने को बोला। मनोज के रकम जमा नहीं करने पर ठगों ने यूएस सरकार द्वारा ऐप खाता बंद करने की बात कहकर डराया। खुद भी 11 लाख में से आठ लाख रुपये जमा करने की बात कही, लेकिन शक होने पर मनोज ने रकम नहीं दी तो ठगों ने संपर्क तोड़ दिया। ठगी का अहसास होने पर पीड़ति ने एनसीआरपी पोर्टल और साइबर क्राइम थाना पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

महिला के अश्लील वीडियो-फोटो सोशल मीडिया पर वायरल किए

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷। फेज-2 थाना क्षेत्र में रहने वाली पश्चिम बंगाल की महिला को युवक से दोशती तोड़ना भारी पड़ गया। आरोपी ने उसके अश्लील वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए। महिला के पति ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। सेक्टर-93 स्थित गांव में रहने वाले पीड़ित ने पुलिस को बताया कि वह मूलरूप से पश्चिम बंगाल के जिला मुर्शिदाबाद के रहने वाले हैं। पत्नी की पूर्व में युवक अनस खान से दोश्ती थी। दोनों वीडियो कॉल पर बात करते थे। शुरू में उनको इसकी जानकारी नहीं थी। जब जानकारी हुई तो उन्होंने पत्नी को समझाया, तब जाकर दोनों के बीच बातचीत बंद हुई। पीड़ित का कहना है कि उन्होंने 13 नवंबर को पत्नी को पश्चिम बंगाल जाने वाली ट्रेन में बैठाया। उसके कुछ देर बाद ही पत्नी ने फोन करके बताया कि अनस उसके अश्लील फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर रहा है। आरोपी ने उनके व्हाट्सऐप नंबर पर भी अश्लील फोटो और वीडियो भेजकर बदनाम करने का प्रयास किया। शिकायतकर्ता का कहना है कि आरोपी अब व्हाट्सऐप कॉल करके धमकी दे रहा है। थाना प्रभारी निरीक्षक का कहना है कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दलबल के साथ मुजफ्फरनगर पहुंचे खुर्शीद मंसूरी ने दिखाई अपनी ताकत

महारैली में पहुंचे खुर्शीद मंसूरी के भारी संख्या में समर्थक चन्द्र शेखर आजाद की जमकर की प्रशंसा

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

विधानसभा क्षेत्र से हजारों की तादाद में लोगों ने मुजफ्फरनगर में आयोजित संविधान दिवस रैली में जोरदार उपस्थिति दर्ज की। जिसे देख विपक्षी दलों के होश उड़ गए इस ऐतिहासिक रैली का आयोजन संविधान दिवस के मौके पर किया गया।

जिसमे मुख्य अतिथि आसपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नगीना लोकसभा सांसद चन्द्रशेखर आज़ाद रहे। बता दे की बृहस्पतिवार को मुजफ्फरनगर में आयोजित संविधान दिवस के मौके पर महारैली कार्यक्रम में मुरादाबाद मंडल प्रभारी एवं साहनपुर चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी के नेतृत्व में नजीबाबाद क्षेत्र से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए।

इस दौरान खुर्शीद मंसूरी दलबल के साथ पहुंचे मुरादाबाद मंडल प्रभारी खुर्शीद मंसूरी की ताकत देख चन्द्र शेखर आजाद ने खुर्शीद मंसूरी व उनके समर्थकों की जमकर प्रशंसा की। खुर्शीद मंसूरी के साथ आज़ाद समाज पार्टी के तमाम ज़िम्मेदार पदाधिकारी भी मौजूद रहे। क्षेत्र से लोगों को रैली तक ले जाने और जागरूकता फैलाने में भीमसेन हल्दिया, प्रशांत महासागर, रजत कुमार, सुखबीर प्रधान, अशोक कुमार, इमरान मंसूरी, रईसुद्दीन, डॉ. शकील, बिजेंद्र सहित कई स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पिछले कई दिनों से लगातार प्रचार-प्रसार कर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रैली में पहुंचे लोगों ने संविधान की मूल भावना को दोहराया और सामाजिक न्याय, समता व अधिकारों की रक्षा का संकल्प लिया।

इस दौरान असपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्र शेखर आजाद ने उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा की महारैली में मेरी सोच से भी कई ज्यादा जनसैलाब उमड़ पड़ा है जिससे यही प्रतीत होता है की हमारी पार्टी से जुड़े सभी पदाधिकारियों की मेहनत पूर्ण रूप से रंग ला रही है और लोग असपा की कार्यशैली से बहुत ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा की आजाद समाज पार्टी से जुड़े पदाधिकारियों की मेहनत और लोगो का प्यार इसी तरह कायम रहा तो आने वाला समय केवल आजाद समाज पार्टी का है ये में आप सबको विश्वास दिलाता हूं।

एक दिसंबर से निजी हाथों में चला जाएगा ड्राइविंग लाइसेंस बनाने का काम

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) बनाने का कार्य एक दिसंबर से निजी हाथों में चला जाएगा। लोगों को आरटीओ ऑफिस

के बजाय साल के अंतिम महीने में ड्राइविंग प्रशिक्षण और परीक्षण (ट्रेनिंग और टेस्टिंग) केंद्र जाना होगा। हालांकि, इससे पहले आवेदक को स्क्रूटनी के लिए ऑफिस आना होगा। ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया सख्त होने जा रही है। लोगों को अपना लाइसेंस बनवाने के लिए प्रशिक्षण के साथ ज्यादा दाम भी खर्च करने होंगे।

अभी तक एक हजार रुपये की फीस पर लाइसेंस बनता था, लेकिन अब फीस के अलावा प्रशिक्षण के पांच हजार रुपये अलग से खर्च करने होंगे। मोटर वाहन निरीक्षक विपिन कुमार का कहना है कि नई व्यवस्था के मुताबिक, आवेदक को ऑनलाइन आवेदन के बाद कागजों की स्क्रूटनी के लिए पहले परिवहन विभाग आना होगा।

परिवहन दफ्तर में फोटो और बायोमेट्रिक होने के बाद आवेदक को निजी सेंटर जाना होगा। यहां 30 दिन के प्रशिक्षण के बाद टेस्ट होगा। आवेदक को लाइसेंस के लिए 38 घंटे का प्रशिक्षण लेना जरूरी होगा। एआरटीओ प्रशासन मनोज कुमार सिंह का कहना है कि गुलधर में बने एडीटीसी सेंटर के संचालक मै. डी-पैक एटीएस सेंटर प्रा. लि. को केंद्र में व्यवस्था पूरी करने के निर्देश दे दिए गए हैं। शासन की मंशा के मुताबिक एक दिसंबर को एडीटीसी शुरू करने को कहा गया है।

600 किलोग्राम विस्फोटक का कश्मीर से हुआ पेमेंट

मुजम्मिल ने कहां से खरीदा था अमोनियम नाइट्रेट?

फरीदाबाद, एजेंसी। दिल्ली विस्फोटक मामले की गहन जांच में जुटी राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी के डॉक्टर मुजम्मिल द्वारा सोहना मंडी से भारी मात्रा में अमोनियम नाइट्रेट खरीद करने के दावे की पुष्टि कर ली है। एनआईए की टीम रविवार को डॉ. मुजम्मिल को लेकर स्थानीय अनाज मंडी पहुंची थी, जहां उनसे दो खाद-बीज की दुकानों की पहचान कराई गई। डॉ. मुजम्मिल और उसके साथी पर वर्ष 2023 में इन दुकानों से कुल 1600 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री खरीदने का आरोप है। सोहना अनाज मंडी में स्थित मदान खाद-बीज बिक्रेता और लक्ष्मी खाद-बीज बिक्रेता दुकानों पर पहुंची। जांच के दौरान मुजम्मिल ने दावा किया कि उसने लक्ष्मी खाद-बीज दुकान से एक हजार किलोग्राम और मदान खाद-बीज दुकान से 600 किलोग्राम अमोनियम नाइट्रेट खरीदा था। यह पूरी 1600 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री की खरीद वर्ष 2023 में की गई थी, जिसका भुगतान ऑनलाइन माध्यम से कश्मीर से किया गया था। इस मामले में मदान खाद-बीज बिक्रेता के मालिक कृष्ण मदान ने जांच एजेंसियों के सामने अपना पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि दुकान पर 50 से 70 ग्राहक आते हैं। कृष्ण मदान ने कहा कि मुजम्मिल 2023 में अमोनियम नाइट्रेट ले जाने का दावा कर रहा है। इतना लंबा समय हो चुका है,इसलिए हमें विशिष्ट रूप से यह घटना याद नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह जांच एजेंसियों को हर संभव सहयोग देने के लिए तैयार हैं। एनआईए की टीम ने दोनों दुकानों पर लगभग 25 मिनट तक आवश्यक जांच प्रक्रिया पूरी की।

यूपी और उत्तराखंड के 26 सहकारी बैंक इनकम टैक्स के रडार पर

कानपुर, एजेंसी। वेस्ट यूपी और उत्तराखंड के 26 सहकारी बैंक आयकर विभाग के रडार पर हैं। बार-बार नोटिस के बावजूद कई बैंक करदाताओं की स्टेटमेंट ऑफ फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन (एसएफटी) रिपोर्ट दबा रहे हैं। भारी-भरकम लेनदेन वाले खातों को 'सामान्य' बताकर नियमों से बचाया जा रहा है। विभाग ने इसे गंभीर गड़बड़ी मानते हुए कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक कई सहकारी बैंकों में बिना पैन कार्ड के खाते संचालित किए जा रहे हैं, जबकि स्पष्ट नियम है कि बड़ी रकम के लेनदेन पर पैन अनिवार्य हैं। इसके बावजूद बैंक न सिर्फ लेनदेन जारी रख रहे हैं बल्कि करोड़ों का टर्नओवर करने वाली कुछ फर्मों को गलत तरीके से फार्म-60 का लाभ देकर टैक्स देनदारी से बचाने का खेल भी चल रहा है। आयकर सूत्रों के अनुसार, सबसे ज्यादा कानपुर, आगरा, मेरठ, नोएडा, देहरादून और गाजियाबाद के सहकारी बैंकों में गड़बड़ी होने का अंदेशा है। इसके अलावा बांदा, उरई, झांसी, ललितपुर, बिजनौर जैसे छोटे शहरों के सहकारी बैंकों पर भी नजर है। कई बैंकों ने बचत खाते में 10 लाख रुपये और चालू खाते में 50 लाख रुपये से अधिक के लेनदेन की अनिवार्य जानकारी भी एसएफटी में दर्ज नहीं की। यह वही श्रेणी है जिसमें लेनदेन की निगरानी सबसे सख्ती से की जाती है। आयकर विभाग का रुख सख्त है।

जानकारी छिपाने के एक मामले में इटावा और कानपुर के दो सहकारी बैंकों पर पहले ही कार्रवाई की जा चुकी है। विभाग ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि एसएफटी का उल्लंघन करने वाले किसी भी बैंक को बख्शा नहीं जाएगा। यदि कोई बैंक जानकारियां छिपाता पाया गया तो कानूनी कार्रवाई भी तय है। कानपुर के पांच सहकारी बैंक पर विभाग की नजर है। सूत्र बताते हैं कि कार्रवाई से घबराए कई बैंकों ने बैकडेट में लेनदेन सुधारने और दस्तावेज अपडेट करने की कवायद शुरू कर दी है, लेकिन विभाग के अधिकारी इसे बचाव का प्रयास मान रहे हैं। बैंक शाखाओं में पिछले तीन-चार वर्षों के लेनदेन का मिलान कराया जा रहा है और जिन खातों में असामान्य गतिविधि पाई गई है, उनके बारे में अलग से रिपोर्ट बन रही है।

सत्ताधारी गठबंधन में बढ़ती जा रही है दरार

एकनाथ शिंदे पर पहली बार फडणवीस ने खुलकर बोला हमला

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के सत्ताधारी गठबंधन में दरार बढ़ती जा रही है। खासतौर पर हिंदुत्व की ही विचारधारा पर दावा रखने वाले भाजपा और शिवसेना के बीच टकराव की स्थिति है। दोनों ओर से एक दूसरे के नेताओं को तोड़कर अपने दलों में शामिल कराया जा रहा है। इसके अलावा भी कई मसलों पर मतभेद हैं। पिछले दिनों अमित शाह तक मामला पहुंचा था, लेकिन अब तक कोई सहमति नहीं बनती दिखी है। इस बीच देवेंद्र फडणवीस ने पहली बार खुलकर हमला बोला है। आमतौर पर वह विवादित मामलों पर टिप्पणी करने से बचते हैं, लेकिन उन्होंने बुधवार को लंका जलाने वाले एकनाथ शिंदे के बयान पर जवाब दिया।

उन्होंने कहा कि लंका तो हम जलाएंगे क्योंकि हम भगवान श्रीराम को मानने वाले हैं। भाजपा की तुलना रावण से करने वाले एकनाथ शिंदे के बयान पर बुधवार को एक आयोजन में देवेंद्र फडणवीस ने कहा, 'उन लोगों को नजरअंदाज करें, जो हमारे बारे में कुछ भी बोलते हैं। वे कह सकते हैं कि हमारी लंका जलाएंगे। लेकिन हम तो लंका में नहीं रहते। हम भगवान राम के अनुयायी हैं, रावण के नहीं। चुनाव के दौरान ऐसी बातें बोली जाती हैं, इन्हें दिल से न लें।' इसके आगे वह कहते हैं कि हम जय श्री राम बोलने वाले लोग हैं।

फडणवीस ने कहा कि कल ही हमने राम मंदिर पर धर्मध्वजा लहराई है। हम भगवान राम की पूजा करने वाली पार्टी के लोग हैं। लंका तो हम जलाएंगे। पालघर जिले में नगर पंचायत और नगर निकाय के चुनाव के लिए आयोजित प्रचार रैली के दौरान देवेंद्र फडणवीस ने ये बातें कहीं। इसी जिले में प्रचार करते हुए एकनाथ शिंदे ने बिना भाजपा का नाम लिए ही रावण वाली बात कही थी, जिसे सीधे तौर पर भगवा दल से जोड़ा गया था।

चुनाव की घोषणा करें: भाजपा

सत्ता को लेकर खींचतान खत्म नहीं करा पा रहे हैं तो सिद्धरमैया इस्तीफा दें

बेंगलुरु, एजेंसी।
कर्नाटक में विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को संकेत दिया कि मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को इस्तीफा दे देना चाहिए और चुनाव की घोषणा करनी चाहिए यदि उनकी पार्टी उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के साथ सत्ता को लेकर जारी खींचतान खत्म नहीं करा पा रही है। मुख्यमंत्री और शिवकुमार के बीच खींचतान के मद्देनजर भाजपा ने कहा कि यह मुद्दा संकटग्रस्त लोगों, खासकर किसानों को प्रभावित कर रहा है, जो पिछले एक महीने से आंदोलन पर हैं। भाजपा ने कहा कि उनकी समस्या का अभी तक समाधान नहीं हुआ है।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि सत्तारूढ़ कांग्रेस को 8 दिसंबर से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र के लिए इस स्पष्टता के साथ बेलगावी आना चाहिए कि राज्य का मुख्यमंत्री कौन होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'जब किसान संकट में हैं और राज्य सरकार से जवाब और मुआवज़ा मांग रहे हैं, तो उन्हें (कांग्रेस को) किसानों के लिए उचित मुआवजा पैकेज के साथ बेलगावी आना चाहिए।'

उन्होंने कहा, 'उन्हें सत्र स्थगित कर देना चाहिए या अगर वे स्थिति को संभालने में असमर्थ हैं, तो इस्तीफा दे दें और चुनाव की घोषणा कर दें।' शिकारीपुरा से विधायक ने कहा कि सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार के भीतर अंदरूनी कलह जारी है और यह कोई छिपी बात नहीं है कि पिछले एक महीने से कैबिनेट मंत्री और विधायक कर्नाटक की बजाय नयी दिल्ली में अधिक समय बिता रहे हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने दावा किया कि सिद्धरमैया और शिवकुमार भी कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से मिलने का समय लेने के लिए दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। विजयेंद्र ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, जो पांच दशकों के अनुभवी नेता हैं, असहाय दिखाई दिए और कहा कि केवल राहुल गांधी को ही इस पर फैसला लेना है। भाजपा ने मखौल उड़ाते हुए कहा कि इस बार बेलगावी के बजाय दिल्ली में विधानसभा सत्र आयोजित करना उचित होगा।

उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि मुख्यमंत्री द्वारा बेलगावी के बजाय दिल्ली में विधानसभा सत्र आयोजित करने का निर्णय लेना उचित है, क्योंकि पूरा मंत्रिमंडल दिल्ली में डेरा डाले हुए है। बेलगावी में सत्र आयोजित करने का क्या मतलब है?' विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि सत्ता संघर्ष के कारण कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ गई है और प्रशासन चरमरा गया है। उन्होंने कहा कि मीडिया और विपक्षी दल पर दोषारोपण करने के बजाय, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को अपने घर को ठीक करना चाहिए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उनकी पार्टी कांग्रेस में जारी घटनाक्रम से चिंतित नहीं है।

'खुशी है नक्सलवाद खत्म हो रहा', बोले पूर्व सीजेआई गवई

जजों को निशाना बनाए जाने की घटनाओं पर भी बोले

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई ने सेवानिवृत्त होने के बाद कई मुद्दों पर बेबाकी से बात रखी है। इनमें न सिर्फ कुछ राज्यों की बुलडोजर कार्रवाई को लेकर खुल कर बात की गई है, बल्कि संविधान पर हमले को लेकर उठ रही चर्चाओं तक पर जवाब दिया गया है। ऐसा ही एक इंटरव्यू सीजेआई (रिटायर्ड) ने न्यूज एजेंसी एएनआई को दिया है, जिसमें उन्होंने कई सवालों के जवाब दिए हैं। रिटायर्ड जस्टिस गवई ने कहा कि वे नहीं मानते कि संविधान खतरे में है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के एक पुराने फैसले का हवाला देते हुए कहा कि संविधान बदला ही नहीं जा सकता 1973 का जजमेंट से एकदम साफ है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने 1973 में केशवानंद भारती मामले में सुनवाई के दौरान फैसला दिया था कि संविधान के मूल ढांचे से किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं की जा सकती। जस्टिस (रि.) गवई ने इस मुद्दे पर कहा, 'सरकार का न्यायपालिका में कोई हस्तक्षेप नहीं है। ये बात गलत है कि सरकार का न्यायपालिका में कोई हस्तक्षेप होता है। कॉलेजियम किसी के दबाव में काम नहीं करता है। पूर्व सीजेआई से इंटरव्यू में जब सोशल मीडिया के गलत इस्तेमाल पर सवाल किया गया तो उन्होंने इस खतरे के मद्देनजर संसद को कानून बनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया का गलत इस्तेमाल हो रहा है सभी को मिलकर इसके लिए काम करना पड़ेगा और संसद को कानून बनाना चाहिए जो इस खतरे को नियंत्रण में ला सके।

नूंह में कितने जासूस बना चुका पाकिस्तान, रिजवान से पहले पकड़े गए तारीफ-अरमान

नूंह , एजेंसी। पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में वकील की गिरफ्तारी के बाद से नूंह फिर सुर्खियों में आ गया है। जिले में यह इस साल तीसरी गिरफ्तारी है। इससे पहले मई में गांव राजाका के अरमान और कांगरका गांव के मोहम्मद तारीफ को गिरफ्तार किया गया था। दोनों पर आरोप था कि वे पाकिस्तान के संपर्क में रहे थे और गोपनीय जानकारी साझा करते थे। अरमान दो बार पाकिस्तान गया था, जबकि तारीफ तीन बार गया था। दोनों के मामले न्यायालय में

विचाराधीन हैं। अब नूंह जिले के निवासी अधिवक्ता रिजवान को एनआइए ने गिरफ्तार किया है। उसने वर्ष 2022 में कोरोना काल के बाद से सोहना की अदालत में वकालत करनी शुरू की थी। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार रिजवान ने शुरू में एक वरिष्ठ अधिवक्ता के साथ केवल 15 दिन का समय बिताया था, जिसके बाद अदालत परिसर में अपनी अलग सीट जमा ली थी और नियमित रूप से केस लेकर वकालत कर रहा था। अधिवक्ता रिजवान का स्वभाव अदालत और तहसील परिसर में सरल और मधुर बताया जाता है। वह अपने सभी वरिष्ठ और जूनियर अधिवक्ताओं के साथ अच्छा व्यवहार रखता था, जिसके कारण परिसर में उनकी छवि एक मेहनती और सुलझे हुए वकील की थी। खास बात यह है कि उपरोक्त मामले की पुष्टि के लिए नूंह के एसपी, अतिरिक्त एसपी, डीएसपी, डीएसपी हेडक्वार्टर से फोन पर संपर्क किया गया। परिसर में यह सूचना पहुंची कि अधिवक्ता रिजवान को पाकिस्तान की आईएसआई आतंकी संगठन से संबंध होने के गंभीर आरोप में एनआईए, दिल्ली पुलिस और स्थानीय पुलिस की गठित टीमों द्वारा गिरफ्तार किया गया है,

मोसाद-सीआईए ने रची थी कांग्रेस को हराने की साजिश

लोकसभा चुनावों को लेकर पूर्व सांसद का दावा

मुंबई, एजेंसी।
पूर्व कांग्रेस सांसद कुमार केतकर ने बुधवार को 2014 के लोकसभा चुनावों के नतीजों को लेकर बड़ा दावा कर दिया है। पूर्व सांसद ने कहा है कि अमेरिका और इजराइल की खुफिया एजेंसियों, सीआईए और मोसाद ने 2014 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस की हार की साजिश रची थी। संविधान दिवस के अवसर पर कांग्रेस द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए, राज्यसभा के पूर्व सदस्य ने कहा कि पार्टी ने 2004 के लोकसभा चुनावों में 145 सीटें जीतीं और इसके पांच साल बाद हुए आम चुनाव में 206 सीटें जीती थीं। अगर यही सिलसिला जारी रहता, तो कांग्रेस 250 सीटें जीतकर सत्ता में बनी रह सकती थी। हालांकि, 2014 में पार्टी को मिली सीटों की संख्या घटकर 44 रह गई।

केतकर ने आगे कहा कि चुनाव से पहले

खेल शुरू हो गया और यह निर्णय लिया गया कि किसी भी हालत में कांग्रेस की सीटों की संख्या बढ़नी नहीं चाहिए। केतकर ने कहा, 'ऐसे संगठन थे जो इस तरह से काम करते थे कि 'जब तक हम कांग्रेस को 206 से नीचे नहीं लाते, तब तक हम यहां (भारत में) खेल नहीं खेल पाएंगे।' पेशे से पत्रकार रह चुके केतकर ने कहा, 'इनमें से एक संगठन सीआईए था और दूसरा इजराइल का मोसाद था। दोनों ने तय किया था कि उन्हें भारत में कुछ करना है। अगर कांग्रेस की कोई स्थिर सरकार या कांग्रेस के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार दोबारा सत्ता में आती है, तो वे भारत में हस्तक्षेप नहीं कर पाते और अपनी नीतियां लागू नहीं कर पाते।' भारत में एक अनुकूल सरकार उनके नियंत्रण में होगी और वहां बहुमत की सरकार होनी चाहिए, लेकिन कांग्रेस की नहीं। केतकर ने दावा किया, 'मोसाद ने राज्यों और निर्वाचन क्षेत्रों पर विस्तृत डेटा तैयार किया है। सीआईए और मोसाद के पास राज्यों और निर्वाचन क्षेत्रों पर विस्तृत डेटा है।' उन्होंने कहा कि 2014 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के खिलाफ असंतोष था, लेकिन इस तरह से नहीं कि कांग्रेस की अपमानजनक हार हो और उसकी सीटों की संख्या 206 से घटकर 44 रह जाए।

टैक्स चोरी वाली 6 फर्जी फर्म मिलीं

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। केंद्रीय और राज्यकर विभाग की संयुक्त टीम जनपद में बोगस फर्मों द्वारा आईटीसी (इनपुट टैक्स क्रेडिट) की धोखाधड़ी रोकने के लिए विशेष अभियान चला रही है। इस दौरान छह फर्जी फर्म सामने आई हैं, जो आईटीसी क्लेम कर सरकार को नुकसान पहुंचा रही थी। शासन से सख्ती के बाद केंद्रीय और राज्यकर विभाग की टीमों ने जांच तेज कर दी है। टीम ने करीब 28 हजार फर्म की रेकी की। सीजीएसटी की टीम को छह फर्जी फर्म मिली हैं। विभाग की तरफ से इनके खिलाफ केस दर्ज कराया गया है। अधिकारियों के अनुसार इन फर्मों के जीएसटी नंबर पर दर्ज पते पर कोई सुराग नहीं मिल सका। संदिग्ध पंजीकरण की एक विश्तृत सूची तैयार की जा रही है। जो फर्म अशितत्व में नहीं हैं या फर्जी लेनदेन कर रही हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

किराये का बकाया मांगने पर धमकी दी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। इंदिरापुरम थानाक्षेत्र में रहने वाले व्यक्ति ने दो महिला समेत तीन लोगों के खिलाफ किराया मांगने पर धमकी देने का आरोप लगाया है। गार्डेनिया ग्लैमर सोसाइटी में रहने वाले मोहित ने नीतू, संधु व दीप के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। तीनों को उन्होंने करीब चार हजार वर्गफीट जगह किराये पर दी थी। तीनों ने कई माह से किराया नहीं दिया। बकाया मांगने पर पहले चेक दिए और फिर चेक बैंक में जमा कराने से इनकार कर दिया।

वेटर बनकर महिला का पर्स चुराया

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। टीला मोड़ थाना क्षेत्र स्थित एक शादी समारोह में वेटर बनकर आए चोर ने महिला का पर्स चोरी कर लिया। 24 नवंबर की घटना है, जिसमें पर्स में रखे एक लाख रुपये और गहने चोरी कर लिए गए। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। मोदीनगर के गोविंदपुरी की रहने वाली रेखा टीला मोड़ स्थित एक बैंक्वेट हॉल में अपने भाई की शादी में शामिल होने आई थीं। शादी समारोह के दौरान एक बाहरी व्यक्ति वेटर की वेशभूषा में फार्म हाउस के अंदर घूम रहा था। वह अपनी सीट पर बैग रखकर शौचालय गईं और लौटी तो बैग गायब था। इसमें एक लाख रुपये और गहने रखे थे। सीसीटीवी फुटेज की जांच की तो वेटर बनकर आया व्यक्ति बैग चोरी कर जाता दिखा।

कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर के भोजपुर थाना क्षेत्र के गांव कनकपुर के नजदीक कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने कार चालक की तलाश शुरू कर दी है। जिला हापुड़ थाना हाफिजपुर के गांव भटियाना निवासी प्रमोद कुमार ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि उनका पुत्र प्रदीप कुमार 24 नवंबर को अतरौली एक विद्यालय में नौकरी कर बाइक से घर लौट रहा था। गांव कनकपुर के निकट सामने से आ रही कार ने बाइक में टक्कर मार दी। राहगीरों ने प्रदीप को पिलखुवा के अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

तेज रफ्तार वाहन ने दंपति को टक्कर मारी, पति की मौत

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी थाना क्षेत्र के चिरौड़ी बंथला मार्ग पर बुधवार रात शादी समारोह से घर लौट रहे बाइक सवार दंपति को तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। लोनी थाना क्षेत्र की राम विहार कॉलोनी निवासी 23 वर्षीय अरविंद पत्नी चांदनी और एक वर्षीय पुत्री के साथ बाइक से बुधवार रात चिरोड़ी गांव स्थित शादी समारोह में शामिल होने के लिए गए थे। पत्नी चांदनी ने बताया कि घर लौटते समय राधा स्वामी सत्संग धाम के सामने एक तेज रफ्तार वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। रोड पर गिरने से पति के सिर में गंभीर चोट आई। घटना को अंजाम देने के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस संयुक्त अस्पताल लेकर पहुंची, जहां चिकित्सक ने जांच के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया। सीओ सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की सहायता से वाहन चालक की तलाश में जुटी है। उन्होंने बताया कि युवक तीन बहनों का इकलौता भाई था। घटना के बाद से ही परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

दो बाईको की भिड़ंत में तीन लोग गंभीर रूप से घायल, दो हायर सेंटर रेफर

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷। थाना क्षेत्र के कुरी बांगर गांव में बृहस्पतिवार को हुए एक सड़क हादसे में तीन लोग घायल हो गए। यह हादसा दो बाइकों की आमने-सामने की भिड़ंत के कारण हुआ। जानकारी के अनुसार, स्योहारा के इस्लामनगर निवासी 22 वर्षीय शाहबाज (पुत्र मकसूद अहमद) और सहसपुर निवासी 23 वर्षीय सालिम (पुत्र सलीम) एक बाइक पर स्योहारा से नूरपुर की ओर जा रहे थे। तभी सामने से आ रही एक स्प्लेंडर बाइक से उनकी टक्कर हो गई। स्प्लेंडर बाइक पर स्योहारा थाना क्षेत्र के बुढेरन गांव निवासी इमरान (पुत्र साकिर) सवार था। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद शाहबाज और सालिम की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। परिजनों ने दोनों घायलों को एक निजी एंबुलेंस से मुरादाबाद ले जाकर भर्ती कराया है। वहीं, तीसरे घायल इमरान का उपचार स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में जारी है।

साइबर फ्रॉड से बचने को सीओ ने की व्यापारियों के साथ बैठक

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। पंचायती मंदिर में स्थित जैन मंदिर में साइबर फ्रॉड से बचने के लिए व्यापारियों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें सीओ धामपुर अभय कुमार पांडेय ने व्यापारियों को साइबर फ्रॉड से बचने के लिए जानकारी दी। उन्होंने कहा कि साइबर फ्रॉड से सतर्कता से बचा जा सकता है। आपके नंबर पर आने वाली कॉल को लेकर सतर्कता बरते।

भारतीय परंपरा संतों, ऋषि-मुनियों व महापुरुषों के त्याग-बलिदान की महागाथाः योगी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की परंपरा संतों, ऋषि-मुनियों व महापुरुषों के त्याग-बलिदान की महागाथा है। युगों-युगों से यह महागाथा विश्व मानवता के लिए प्रेरणा रही है। विश्व मानवता ने इस महागाथा का श्रवण व प्रेरणा प्राप्त कर भविष्य को तय किया है।

भारत के अंदर आज भी पवित्र उपासना विधियां श्रद्धाभाव के साथ कार्य करते हुए इस व्यवस्था को बढ़ा रही हैं। उन्होंने कहा कि तीन दिन पूर्व अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर के निर्माण कार्य को पूर्ण करने के महायज्ञ के पूर्णाहुति कार्यक्रम के साथ ही पीएम मोदी के करकमलों से भव्य भगवा ध्वज का आरोहण संपन्न हुआ। पूरी दुनिया व देश ने भारत के इस सनातन वैभव को देखा और अनुभव किया।

सीएम योगी गुरुवार को तरुण सागरम तीर्थ, मुरादनगर पहुंचे। उन्होंने यहां पंचकल्याणक महामहोत्सव के अंतर्गत 100 दिन में निर्मित गुफा मंदिर का उद्घाटन किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने भगवान पार्श्वनाथ जी व संत तरुण सागर जी महाराज का स्मरण किया।

सीएम ने मेरी बिटिया व अंतर्मना दिव्य मंगल पाठ पुश्तक का विमोचन भी किया।सीएम योगी ने कहा कि यूपी का सौभाग्य है कि अयोध्या में प्रथम जैन तीर्थंकर भगवान ऋषभ देव व चार जैन तीर्थंकर पैदा हुए। दुनिया ने काशी में चार जैन तीर्थंकरों को अवतरित होते हुए देखा है। श्रावस्ती में जैन तीर्थंकर भगवान संभवनाथ का जन्म हुआ।

भगवान महावीर का महापरिनिर्वाण कुशीनगर के पावागढ़ में हुआ था। हमारी सरकार ने फाजिलनगर का नाम (जहां भगवान महावीर ने महापरिनिर्वाण हुआ था), उसके नामकरण की कार्रवाई को पावा नगरी के रूप में बढ़ाया है।

सीएम योगी ने कहा कि 24 जैन तीर्थंकरों ने समाज को नई दिशा और विश्व मानवता को करुणा, मैत्री, अहिंसा व 'जियो-जीने दो' की प्रेरणा दी। उन्होंने सिर्फ मनुष्य ही नहीं, बल्कि प्रत्येक जीव-जंतु के लिए नई प्रेरणा प्रदान की, जिसकी प्रासंगिकता आज भी उसी रूप में बनी हुई है। मानव सभ्यता को विकास की नित नई ऊंचाइयों तक पहुंचना है तो उन्हें भारत के अध्यात्म की शरण में जाना होगा।

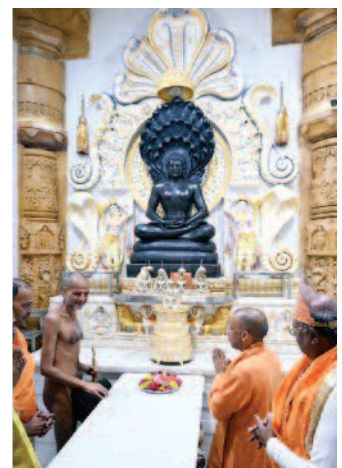

यूपी के फाजिलनगर का बदलेगा नाम

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में एक और स्थान का इस्लामिक नाम बदलने का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि फाजिलनगर का नाम बदलकर जैन आस्था के मुताबिक किया जाएगा।

मुख्यमंत्री गुरुवार को गाजियाबाद के मुरादनगर में स्थित श्री तरुण सगराम पारसनाथ अतिशय तीर्थ धाम में गुफा मंदिर उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि जैन मुनि परंपरा तप, त्याग और नैतिक जीवन का संदेश देती है, जो समाज को दिशा देने में महत्वपूर्ण है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि कुशीनगर के फाजिलनगर का नाम जैन समाज की ऐतिहासिक आस्था के अनुरूप 'पावा नगर' किया जाएगा। पावा वह पवित्र स्थल है जहां भगवान महावीर के महापरिनिर्वाण का विश्वास किया जाता है, इसलिए क्षेत्र की पहचान को उसके आध्यात्मिक महत्व के अनुरूप सम्मान देना जरूरी है।

अध्यात्म के साथ ही भौतिक विकास, सांस्कृतिक व आध्यात्मिक उन्नयन के लिए सुरक्षित, सुसभ्य, साफ-सुथरा वातावरण चाहिए, जिसे भारत ने पहले भी दुनिया को दिया है और भारत, ऋषि-मुनियों, परंपरा व भारतीय संस्कृति का संदेश आज भी विश्व मानवता के लिए यही है। सीएम योगी ने कहा कि ऋषि-मुनि परंपरा ने जो संदेश दिया है, हम उसे आत्मसात करते हैं तो यह विश्व मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशश्त करता है।

गत वर्ष अप्रैल में पीएम मोदी ने विश्व नवकार महामंत्र दिवस पर वन वर्ल्ड-वन चैन कार्यक्रम का उद्घाटन किया था और हम सभी को नौ संकल्प (पानी की बचत, एक पेड़ मां के नाम, स्वच्छता का मिशन, वोकल फॉर लोकल, देश-दर्शन, नेचुरल फॉर्मिंग, हेल्दी लाइफ स्टाइल, योग व खेल को जीवन में लाना, गरीब कल्याण के लिए समर्पित भाव से कार्य करना) प्रदान किया था।

जैन मुनियों की परंपरा उसी को बढ़ाने का कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज व उपाध्याय मुनि पीयूष सागर जी महाराज की दिनचर्या को देखा। 557 दिन की कठोर साधना, 496 दिन का निर्जल उपवास, तप, अनुशासन व आत्मसंयम का अद्भुत उदाहरण देखने को मिला है। ये चीजें दिखाती हैं कि यदि हम संकल्प ले लें तो जो कुछ हमें बाहर दिखाई दे रहा है, वह सब कुछ इस शरीर में अनुभव होते हुए भी दिखाई देगा। प्रसन्न सागर जी महाराज की साधना के माध्यम से यह देखने व अनुभव करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

एपीके फाइल से फोन हैक कर साढ़े नौ लाख निकाले

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

साइबर अपराधियों ने एपीके फाइल भेजकर सेवानिवृत्त कर्मचारी के खाते से साढ़े नौ लाख रुपये निकाल। पीड़ित के मुताबिक जालसाजों ने खुद को बैंक कर्मचारी बताकर उन्हें जाल में फंसाया। घटना के संबंध में साइबर थाने में केस दर्ज कराया है।

वैशाली सेक्टर-चार के अजनारा लैंडमार्क अपार्टमेंट में रहने वाले सुरेश गुप्ता का कहना है कि वह सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं। पेंशन और जमापूंजी ही उनके जीवन यापन का जरिया है। बैंक द्वारा हर वर्ष वरिष्ठ नागरिकों से मांगी जाने वाली जीवन प्रमाणपत्र प्रक्रिया के जरिये उनके साथ साइबर ठगी की घटना को अंजाम दिया। अक्तूबर 2025 में आई संदिग्ध फोन कॉल को उनकी पत्नी ने नजरअंदाज कर दिया, लेकिन 21 से 23 नवंबर के बीच लगातार व्हाट्सएप वीडियो और वॉयस कॉल आई।

कॉलर ने अपना नाम अखिलेश मिश्रा बताते हुए खुद को पीएनबी पेंशन सेल का अधिकारी बताया। उसने वीडियो कॉल के दौरान पीएनबी का आई-कार्ड भी दिखाकर भरोसा कायम कर लिया। सुरेश गुप्ता के मुताबिक कथित बैंक अधिकारी ने कहा कि अब जीवन प्रमाणपत्र की प्रक्रिया ऑनलाइन हो गई है। यदि उन्होंने इसे समय पर पूरा नहीं किया तो उनकी पेंशन बंद हो सकती है। पीड़ित का कहना है कि 22 नवंबर की सुबह सुरेश गुप्ता ने उनके मोबाइल पर पीएनबी-वन पी-5 एपीके नाम की फाइल भेजी और उसे इंस्टाल करने को कहा।

आरोप है कि फाइल को डाउनलोड करते ही उनका मोबाइल रिमोट कंट्रोल पर ले लिया गया। वह न तो ओटीपी समझ पा रहे थे और न ही किसी लेनदेन के बारे में जान रहे थे। ठगों ने उनके खाते में पड़ी नौ लाख रुपये की एफडी बिना अनुमति के तोड़ दी, जिससे मूलधन और ब्याज खाते में आ गया। कुछ ही मिनटों में उनके दो खातों के बीच लेनदेन कर बैलेंस को एक खाते में इकट्ठा किया गया और फिर दो बार में नौ लाख रुपये निकाल लिए।

इसके बाद 25 हजार रुपये और साढ़े पांच हजार रुपये एयरटेल पेमेंट्स बैंक और वर्चुअल कार्ड के माध्यम से निकाले गए। कुल मिलाकर उनके खातों से 9.30 लाख रुपये निकाल लिए गए। हैरानी की बात यह है कि पूरे घटनाक्रम के दौरान उन्हें कोई ओटीपी नहीं मिला।

ठगी के संबंध में पीड़ित ने 26 नवंबर को साइबर थाने में शिकायत दी। एडीसीपी क्राइम पीयूष सिंह का कहना है कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है। बैंक खातों और मोबाइल नंबरों की मदद से जालसाजों को ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है।

एलीवेटेड रोड पर कार की टक्कर से दूसरी कार पलटी, पिता-पुत्र घायल

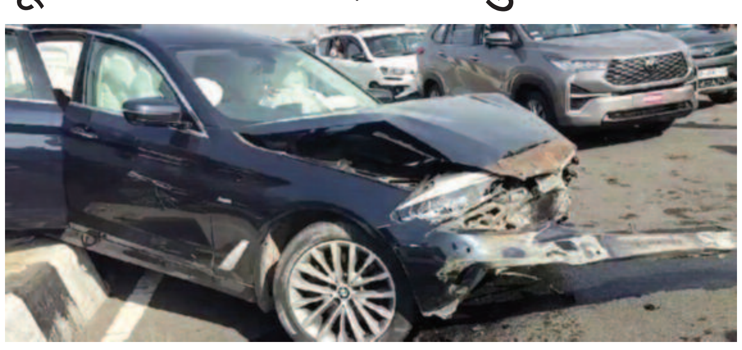

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

इंदिरापुरम थानाक्षेत्र में एलिवेटेड रोड पर बुधवार देर रात तेज रफ्तार कार ने दूसरी कार में टक्कर मार दी। आगे चल रही कार कई बार पलटते हुए डिवाइडर पर चढ़ गई। हादसे में कार सवार पिता-पुत्र घायल हो गए।

बेटे की हालत गंभीर बताई जा रही है। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। ब्रेव हार्ट्स सोसाइटी निवासी प्रवीण शर्मा 26 नवंबर की रात बेटे के साथ कार से दिल्ली एयरपोर्ट जा रहे थे। रात साढ़े नौ बजे पीछे से आई तेज रफ्तार कार ने उनकी गाड़ी में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि उनकी कार तीन बार पलटते हुए डिवाइडर पर चढ़ गई। घायल अवस्था में वह बेटे के साथ कार में ही फंस गए। आसपास के लोगों ने उन्हें निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया।

उनके बेटे की हालत गंभीर बनी हुई है, जबकि दूसरी कार का चालक फरार हो गया। इलाज के दौरान ही उन्होंने पुलिस को शिकायत दी। सीओ इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवाश्तव ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली है। जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

फिल्म दिखाकर समझाई संविधान निर्माण की कहानी

एनसीआर टुडे. गाजियाबाद। दयानंद नगर स्थित विद्यावती मुकुंदलाल गर्ल्स पीजी कॉलेज में एनएसएस की दोनों इकाइयों की ओर से संविधान दिवस मनाया गया। कॉलेज प्राचार्या प्रो. रचना प्रसाद ने सभी को संविधान की प्रश्तावना का पाठन और मौलिक कर्तव्यों की शपथ दिलाई।

पत्रकार को गोली मारने की धमकी, मोबाइल पर फोन कर लोकेशन मांगी

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

जनपद में एक व्यक्ति को मोबाइल फोन पर जान से मारने की धमकी मिलने का मामला प्रकाश मे आया है। उसे दो अलग-अलग नंबर से कॉल कर लोकेशन मांगी और गोली मारने की धमकी थी। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन जांच में जुट गया।

प्राप्त समाचार अनुसार थाना हल्दौर के ग्राम पावटी निवासी पत्रकार आफताब आलम एक शादी समारोह से झाल से अपने निवास स्थान पर लोट रहे थे। तभी उनके नंबर पर 11:06 मिनट पर रात्रि कॉल आई फिर उसके बाद 11:08 पर कॉल आई। बाइक पर होने के कारण कॉल रिसीव नहीं कर सके। पत्रकार आफताब आलम ने घर पहुंच कर कॉल वापसी की पीड़ित को को गंदी-गंदी गाली देने लगा और लोकेशन मांगी। पीड़ित पत्रकार ने गाली देने को मना किया तो गोली मारने की धमकी दी और कहा हमारे पास एक नहीं दो तमंचे हैं। पीड़ित ने तुरंत कॉल काटकर थाना अध्यक्ष हल्दौर को सूचना दी ।थाना अध्यक्ष ने तुरंत मामले को गंभीरता से लेते हुए दोनों नंबर की जांच कराई जिसकी लाइव लोकेशन बरेली आई और केप आईडी भी जनपद बरेली आई।

एमसीए छात्र की संदिग्ध हालात में मौत, हत्या का आरोप

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

नंदग्राम में बुधवार शाम एमसीए के छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। छात्र का अर्धनग्न शव कमरे में पंखे से फंदे पर लटका मिला। घटना के समय माता-पिता गांव में शादी समारोह में गए थे, जबकि बहन नौकरी पर गई हुई थी।

शुरुआती जांच में पुलिस ने इसे आत्महत्या बताया है, वहीं परिजनों ने युवती और उसके दो साथियों पर हत्या का आरोप लगाया है।

मूलरूप से गुलावठी बुलंदशहर निवासी राकेश राणा नंदग्राम ई-ब्लॉक में बने जीडीए के ट्रिपल स्टोरी फ्लैट्स में किराये पर रहते हैं। परिवार में पत्नी विमलेश राणा, राशि समेत दो बेटियों और 24 वर्षीय इकलौता बेटा वतन राणा था।

ट्रिपल स्टोरी भवन में राकेश राणा के पास ऊपर के दो फ्लैट हैं, जबकि

ग्राउंड फ्लोर पर उनके साले राजेश चौहान रहते हैं। राकेश प्राइवेट नौकरी करते थे, लेकिन स्वास्थ्य कारणों से उन्होंने नौकरी छोड़ दी थी।

वतन राणा काइट कॉलेज में एमसीए का छात्र था। राशि ने बताया कि बुधवार को वह ऑफिस में थी, जबकि माता-पिता गांव में एक शादी समारोह में गए थे।

शाम करीब छह बजे उन्हें वतन का शव घर में फंदे पर लटका होने की सूचना मिली, जिसके बाद माता-पिता और वह खुद घर पहुंची। फ्लैट की बाहर से कुंडी लगी मिली पुलिस के मुताबिक घटना से पहले फ्लैट में पार्टी हुई थी। एक युवती और दो युवक फ्लैट में आते-जाते दिखाई दिए।

बहन राशि ने बताया कि युवती वतन की गर्लफ्रेंड थी। परिवार भी उसकी गर्लफ्रेंड से शादी कराने को तैयार था, लेकिन गर्लफ्रेंड के अन्य युवकों से संपर्क का पता चलने पर उसने दूरी बना ली थी। आरोप है कि बुधवार शाम गर्लफ्रेंड दो साथियों के साथ फ्लैट पर आई।

पार्टी करने के बाद आरोपियों ने वतन की हत्या कर दी और शव फंदे पर लटकाकर आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की। जाते समय फ्लैट की कुंडी बाहर से लगा दी।

राशि का कहना है कि वतन बेहद खुशमिजाज था और आत्महत्या की सोच भी नहीं सकता था। उसका जन्मदिन चार जनवरी को आने वाला था। राशि का आरोप है कि गर्लफ्रेंड और उसके साथी ही उसके भाई की मौत के जिम्मेदार हैं।

महारैली को सफल बनाने के लिए नितिश चौधरी ने झोकी ताकत

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

नगर से आज़ाद समाज पार्टी (काशीराम) की संविधान दिवस के अवसर पर संवैधानिक अधिकार बचाओ, भाईचारा बनाओ की ऐतिहासिक महारैली में असपा के वरिष्ठ नेता नितिश चौधरी भावी प्रत्याशी जिला पंचायत सदस्य वार्ड नंबर चार का काफिला हुआ मुज़फ़्फ़रनगर रवाना।

आपको बता दे की की मुज़फ़्फ़रनगर के जी.आई.सी मैदान में आयोजित ऐतिहासिक महारैली को सफल बनाने के लिए जलालाबाद के पट्रोल पंप से असपा के नेता ग्राम चोगावा निवासी नितिश चौधरी भावी प्रत्याशी जिला पंचायत सदस्य वार्ड नंबर 4 ब्लॉक नजीबाबाद ने दिन रात मेहनत करके अपने क्षेत्र से सेकड़ो की संख्या में पार्टी कार्यकर्त्ता व पदाधिकारी सहित सेकड़ो समर्थक के साथ रवाना हुऐ।

आपको बता दे की नितिश चौधरी नजीबाबाद ब्लॉक के वार्ड नंबर 4 से जिला पंचायत की चुनाव की तैयारी कर रहे है। उनकी मेहनत और लगन को देख विपक्ष खेमे में हलचल मची हुई है।

मुजफ्फरनगर महारैली में नितिश चौधरी ने दिखाई अपनी ताकत दिखाते हुऐ भारी संख्या में गाड़ियों के काफिले कोभावी प्रत्याशी जिला पंचायत सदस्य वार्ड नंबर 4

नितिश चौधरी विगत कई दिनों से मुजफ्फरनगर की महारैली को सफल करने के लिए डोर टू डोर जाकर पार्टी के प्रति लोगों को जागरूक करने का कार्य कर रही थे। ऐतिहासिक महारैली के लिए लोगो को जागरूक करने में लगे थे।

ऐतिहासिक महारैली को सफल बनाने के लिए वरिष्ठ असपा नेता ग्राम चोगावा निवासी नीतिश चौधरी ने कई गांवो का तूफानी दौरा करके पार्टी के प्रति लोगो जागरूक करके महारैली को कामयाब करने का कार्य किया है। महारैली को सफल बनाने मे संस्थापक सदस्य डॉक्टर मकसूद चौधरी, भीमसेन हल्दिया प्रदेश कोर कमेटी सदस्य, भीम आर्मी जिलाध्यक्ष प्रशांत महासागर, रजत कुमार जिलाध्यक्ष मुस्लिम भाई चारा, वरिष्ठ नेता नितिश चौधरी, ललित आज़ाद, प्रवेश कुमार मंडल संयोजक, वीरेंद्र कुमार विधानसभा प्रभारी, ललित कुमार मंडल संयोजक, राहुल चौधरी, लईक कुरैशी, मनोज चौधरी, विष्णु गौतम, आशीष पाल, देशराज सिंह, रवि प्रकाश, सुशील कुमार, धर्मराज हल्दिया, पंकज कुमार, यशवर्धन अश्वनी कुमार, अनुज कुमार, दानिश कुरैशी, फरमान कुरैशी, इमरान कुरैशी सहित हजारों की संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता का विशेष सहयोग रहा।

एसआईआर में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर शाल ओढ़ाकर किया सम्मानित

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

नगर मे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में उत्कृष्ट कार्य के लिए भाजपा बूथ अध्यक्ष हाफिज रईस अहमद को भाजपा जिला महामंत्री अल्पसंख्यक मोर्चा कय्यूम राइन ने शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

जिला महामंत्री अल्पसंख्यक मोर्चा कय्यूम राइन ने कार्यकर्ताओं द्वारा किए जा रहे एसआईआर प्रक्रिया संबंधी कार्यों का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने विभिन्न बूथों पर मतदाताओं के नाम फीडिंग, गणना प्रपत्रों के वितरण और एकत्रित करने संबंधी कार्यों की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान, विधानसभा के बूथ संख्या 277 के अध्यक्ष बीएलए हाफिज रईस अहमद का कार्य सराहनीय पाया गया। उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया संबंधी निर्धारित लक्ष्य को बेहतर तरीके से पूरा किया था।

उनके इस उत्कृष्ट कार्य को देखते हुए भाजपा जिला महामंत्री अल्पसंख्यक मोर्चा कय्यूम राइन ने उन्हें सम्मानित किया और प्रसन्नता व्यक्त की।

उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया में कार्य करने वाले बीएलओ सहित अन्य कार्मिकों व कार्यकर्ताओं की भी सराहना की।

इस अवसर पर परवेज़ अहमद लाठी वाले, वसीम अख्तर, मौ अजहर, अब्दुल मालिक, गुलज़ार अहमद आदि उपस्थित रहे।

निर्वाचक नामावली का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

नगर पालिका सभागार में निर्वाचक नामावलियों का SIR कार्यक्रम के तहत एक बैठक आयोजित करते हुए समय अवधि के भीतर कार्य किए जाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

उत्तर रेलवे

निविदा आमंत्रण सूचना

कार्य का नाम और इसकी स्थिति	**37-R1-SRDEE-G-DLI-2025-26** एसएसई/पीएस/डीकेजेड के अधिकार क्षेत्र में रेलवे क्वार्टरों की पुनः वायरिंग।
निविदा की अनुमानित लागत	रु.17093026.00
कार्यालय का पता	वरि. मंडल विद्युत अभियंता/जी, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली
बयाना राशि	रु. 235500.00
निविदा निवेदन की दिनांक व समय	19.12.2025, 16:00 बजे
निविदा खोलने की दिनांक व समय	19.12.2025 16:00 बजे
वेबसाइट व नोटिस बोर्ड	www.ireps.gov.in वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियंता/जी, नई दिल्ली

3675/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सर्वसाधारण सूचना

परिषद की वसुन्धरा योजना गाजियाबाद के सेक्टर-1 स्थित भवन संख्या-1/153 श्री मोहन पाल पुत्र श्री चरण सिंह के पक्ष प्रदेशन पत्र संख्या-6101 दिनांक 24.05.2003 द्वारा आवंटित है। श्री मोहन पाल पुत्र श्री चरण सिंह ने भवन का विक्रय विलेख दिनांक 30.06.2003 को निष्पादित कराकर खण्ड कार्यालय से दिनांक 24.10.2003 को भौतिक कब्जा प्राप्त कर लिया है। श्रीमती विद्यावती पत्नी श्री मोहन पाल, निवासी-म0नं0-153, एम०आई०जी०, सैक्टर-1, वसुन्धरा गाजियाबाद ने अपने हस्ताक्षरयुक्त प्रार्थना पत्र दिनांक 14.08.2025 द्वारा कार्यालय में सूचित किया है कि उनके पति श्री मोहन पाल का स्वर्गवास दिनांक 08/12/2005 को हो गया है। मृत्योपरान्त भवन का अन्तरण परिषद अभिलेखों में मृतक के वारिसान प्रमाण पत्र के आधार पर अपने नाम में कराना चाहती है, जिसके लिए लाभार्थी द्वारा निम्न प्रपत्र कार्यालय में जमा किये गये हैं। स्व० श्री मोहन पाल पुत्र श्री चरण सिंह का प्रमाणित मृत्यु प्रमाण पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धकनामा, रु0-10.00 के स्टाम्प पेपर पर नोटरी द्वारा प्रमाणित कराकर, फोटो व हस्ताक्षर राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित कराकर समस्त प्रपत्र कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। अतः स्व० श्री मोहन पास पुत्र श्री चरण सिंह की मृत्यु उपरान्त भवन का अन्तरण मृतक के पारिवारिक सदस्यों की सूची के आधार पर उक्त सम्पत्ति में श्रीमती विद्यावती पत्नी स्व. श्री मोहन पाल का नाम अन्तरित किये जाने में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन की दिनांक से 30 दिनों के अन्दर अपनी आपत्ति साक्ष्यों सहित सम्पत्ति प्रबन्ध कार्यालय, उ0 प्रा0 आवास एवं विकास परिषद, सेक्टर-16ए, वसुन्धरा, गाजियाबाद में जमा करें, अन्यथा निर्धारित तिथि के बाद किसी व्यक्ति का कोई क्लेम मान्य नहीं होगा।

सम्पत्ति प्रबन्धक

संपादकीय

2030 का कॉमनवेल्थ गेम्स अहमदाबाद में विश्व का स्वागत करने को तैयार भारत का नया युग

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी गुजरात की राजधानी अहमदाबाद को मिलना न केवल भारत के लिए गौरव का क्षण है, बल्कि विकसित भारत की दिशा में उठाया गया एक ऐतिहासिक कदम भी है।

स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स जनरल असेंबली की बैठक के अंत में यह घोषणा आधिकारिक रूप से मुहरबंद हुई, और 26 नवम्बर 2025 को अंतिम सहमति बनने के साथ ही भारत ने विश्व खेल मंच पर एक नया मील का पत्थर स्थापित कर दिया। यह अवसर केवल खेलों का आयोजन नहीं है, बल्कि भारत की युवा ऊर्जा, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, आधुनिक विकास मॉडल और वैश्विक नेतृत्व क्षमता का सामूहिक प्रदर्शन भी होगा।

अहमदाबाद, जिसे भारत के सबसे प्रगतिशील और योजनाबद्ध शहरों में गिना जाता है, अब विश्व खेल संस्कृति का केंद्र बनने जा रहा है। 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स, कॉमनवेल्थ मूवमेंट के 100 वर्ष पूरे होने का उत्सव भी होंगे। इस तरह यह आयोजन केवल खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि अगले सौ वर्षों की नींव रखने वाला ऐतिहासिक क्षण बन जाएगा। भारत के लिए यह जिम्मेदारी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वह ऐसे समय में विश्व मंच पर उभर रही शक्ति के रूप में पहचान बना चुका है। आर्थिक शक्ति, सांस्कृतिक विरासत, तकनीकी नवाचार और खेल प्रतिभा आदि सबका संगम इस आयोजन में उजागर होगा।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 का अहमदाबाद में होना शहर और राज्य दोनों के विकास की कहानी को एक नई धार देगा। सबसे पहले, शहरी विकास को लेकर अहमदाबाद में अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिलेंगे। आधुनिक खेल अधोसंरचना, विश्वस्तरीय स्टेडियम, अत्याधुनिक परिवहन सुविधाएँ, खिलाड़ियों और पर्यटकों के लिए विशेष आवास व्यवस्था, पर्यावरण-अनुकूल शहरी मॉडल और डिजिटल स्मार्ट व्यवस्थाएँ सब मिलकर अहमदाबाद को एक ग्लोबल स्पोर्ट्स सिटी में बदल देंगी। यह विकास केवल खेलों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि शहर के रोजमर्रा के जीवन में स्थायी बदलाव लाएगा। नई सड़कें, नए कनेक्टिविटी कॉरिडोर, सुरक्षित ट्रैफिक सिस्टम, हरित क्षेत्र और शहरी सौंदर्यीकरण की योजनाएँ शहर को अगले श्तर पर ले जाएँगी।

रोजगार के लिहाज से यह आयोजन युवाओं के लिए अवसरों की एक नई दुनिया खोलेगा। निर्माण क्षेत्र, होटल उद्योग, पर्यटन, परिवहन, तकनीकी सेवाएँ, सुरक्षा, स्वास्थ्य, मीडिया, इवेंट मैनेजमेंट और खेल प्रशिक्षण हर क्षेत्र में हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। यह आयोजन गुजरात के युवा कौशल और उद्यमिता को अंतरराष्ट्रीय मंच देगा, जिससे राज्य का आर्थिक परिदृश्य और मजबूत होगा। भारतीय खेल उद्योग, जो पहले से ही तेजी से उभर रहा है, इस आयोजन के माध्यम से और भी सशक्त होगा।

पर्यटन में वृद्धि कॉमनवेल्थ गेम्स का सबसे बड़ा प्रभावों में से एक होगा। दुनिया भर से लाखों पर्यटक, खिलाड़ी, अधिकारी, मीडिया प्रतिनिधि और खेल प्रेमी अहमदाबाद का रुख करेंगे। इसके साथ ही, गुजरात की समृद्ध सांस्कृतिक विरास जैसे साबरमती आश्रम, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, कच्छ रण, मोढेरा सूर्य मंदिर, दांडी, पाटन की रानी की वाव, द्वारका और सौराष्ट्र का तटीय सौंदर्य-वैश्विक श्तर पर नई पहचान पाएंगे। यह आयोजन केवल अहमदाबाद ही नहीं, पूरे गुजरात को विश्व पर्यटन मानचित्र पर एक प्रमुख स्थान दिलाएगा। कला, हश्तशिल्प, स्थानीय व्यंजन, लोकनृत्य और सांस्कृतिक उत्सवों को भी इस अवसर पर वैश्विक मंच मिलेगा।

भारतीय संस्कृति और सभ्यता को प्रोत्साहन देने के लिए भी 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स ऐतिहासिक सिद्ध होंगे। भारत की अतिथि देवो भवकी परंपरा दुनिया के सामने बड़े पैमाने पर प्रदर्शित होगी। उद्घाटन और समापन समारोहों में भारत की समृद्ध विरासत, आधुनिक आकांक्षाएँ और विविधता की भावना का संगम दिखेगा। दुनिया भारत को केवल एक खेल राष्ट्र के रूप में नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, सभ्यता और मानवीय मूल्यों के केंद्र के रूप में देखेगी। कॉमनवेल्थ के 72 देशों की मित्रता, सहयोग और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का उत्सव अहमदाबाद में साकार होगा।

केंद्र सरकार, राज्य सरकार और कॉमनवेल्थ गेम्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की सामूहिक भूमिका इस आयोजन की सफलता की कुंजी होगी। केंद्र सरकार का विकसित भारत 2047 का संकल्प वैश्विक आयोजनों के माध्यम से मजबूत हो रहा है। राज्य सरकार की सक्रियता और सुशासन मॉडल इस आयोजन के लिए आधार तैयार करेंगे, जबकि कॉमनवेल्थ गेम्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया खेल आयोजन की तकनीकी, संचालनात्मक और अंतरराष्ट्रीय मानकों की जिम्मेदारी निभाएगी। यह त्रिकोणिक समन्वय भारत की हासिल की जा चुकी प्रतिष्ठा और भविष्य की संभावनाओं को और विश्तृत करेगा।

कॉमनवेल्थ मूवमेंट के अगले सौ वर्षों की नींव 2030 के इस आयोजन से शुरू होगी। यह केवल खेलों का मंच नहीं, बल्कि एकता, मित्रता, सम्मान, शांति और प्रगति का वैश्विक संदेश है। दुनिया भर के खिलाड़ी, समुदाय और संस्कृतियाँ एक मंच पर आएंगी और यह आयोजन बताएगा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि संस्कृतियों को जोड़ने, समाजों को प्रेरित करने और मानवता को आगे बढ़ाने का माध्यम भी है। भारत, अपनी युवा ऊर्जा और वैश्विक दृष्टिकोण के साथ, इस आंदोलन को नई दिशा देने के लिए तैयार है।

2030 का अहमदाबाद ऊर्जा, महत्वाकांक्षा और जुनून से भरा शहर दिखाई देगा। दुनिया का स्वागत करेगा। यह आयोजन भारत के बढ़ते आत्मविश्वास और वैश्विक भूमिका को स्थापित करेगा। यह साबित करेगा कि भारत केवल भविष्य की शक्ति नहीं, बल्कि वर्तमान का नेतृत्वकर्ता देश भी है। गुजरात और भारत के लिए यह सदी का अवसर है। जहाँ अतीत की गौरवशाली परंपराएँ, वर्तमान की चुनौतियाँ और भविष्य के सुनहरे सपने एक साथ मिलकर नया इतिहास रचेंगे।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030, इसीलिए, केवल खेलों का आयोजन नहीं बल्कि सबसे विकसित होने की कहानी का सबसे उज्ज्वल अध्याय बनने जा रहा है।

भारत-कनाडा के रिश्तों में गर्माहट बड़े बदलाव का संकेत

ललित गर्ग

भारत और कनाडा के रिश्तों पर पड़ी बर्फ धीरे-धीरे पिघल रही है और दोनों देशों के बीच एक नए विश्वास, सहयोग और साझेदारी का वातावरण आकार ले रहा है। वैश्विक राजनीति के बदलते स्वरूप, व्यापारिक हितों और तकनीकी साझेदारियों की बढ़ती जरूरतों ने दोनों देशों को पुनः संवाद और सहयोग की राह पर लौटने के लिए प्रेरित किया है।

जून से शुरू हुआ यह सकारात्मक बदलाव अब व्यापक रूप में दिखाई देने लगा है, जिसका संकेत हाल ही में की गई द्विपक्षीय बैठकों, उच्चस्तरीय संपर्कों और आर्थिक सहयोग की घोषणाओं में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है।

भारत के केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक ले जाने के लक्ष्य एवं कनाड़ा द्वारा अब नागरिकता के बंद दरवाजे खोलने की घोषणा इस परिवर्तन की गहराई और व्यापकता को रेखांकित करती है। यह लक्ष्य केवल व्यापार बढ़ाने का संकल्प मात्र नहीं है बल्कि यह उस नये दौर की प्रतीकात्मक दश्तक है जिसकी ओर दोनों देश बढ़ रहे हैं और इससे दोनों देशों को फायदा होगा।

पिछले कुछ समय में भारत और कनाडा के रिश्तों में जिस तरह तनाव और अविश्वास ने जगह बनाई थी, वह दोनों देशों के लंबे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और जन-आधारित संबंधों के विपरीत था। खालिश्तान मुद्दे पर कनाडा में बढ़ती गतिविधियों, राजनीतिक आरोपों-प्रत्यारोपों और न्यायिक प्रक्रियाओं ने दोनों देशों के रिश्तों में गहरी खटास पैदा की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के बीच दूरी सार्वजनिक रूप से दिखाई देती थी और कूटनीतिक संवाद लगभग ठहर-सा गया था। जस्टिन ट्रूडो ने राजनीतिक दबाव एवं स्वार्थ के चलते भारत से ऐतिहासिक संबंधों को धुंधलाया, जिसका खामियाजा उन्होंने भुगता भी है। लेकिन अब नई सरकार के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने नये जोश, आत्मीयता एवं संवेदनाओं के साथ भारत से दोश्ती का हाथ बढ़ाया है। बदलती वैश्विक परिस्थितियों, व्यापारिक अवसरों के विस्तार और नई आर्थिक-रणनीतिक जरूरतों ने दोनों पक्षों को यह अहसास कराया कि रिश्तों का ठहराव किसी भी तरह से फायदेमंद नहीं है। इसी समझ ने दोनों देशों को संवाद के नये पुल बनाने और पुराने अवरोधों को पीछे छोड़ने की दिशा में आगे बढ़ाया।

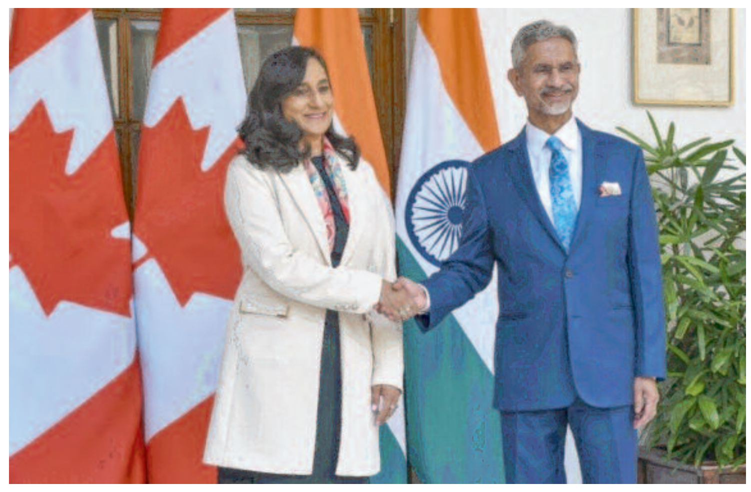

नरेंद्र मोदी और मार्क कार्नी की जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई मुलाकात इस बदलाव का एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुई। यह मुलाकात भले ही मुख्य सत्रों के इतर हुई, लेकिन उसका संदेश अत्यंत गहरा और दूरगामी था। यहां दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश और टेक्नोलॉजी इनोवेशन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। भारत और कनाड़ा के पास डिफेंस, स्पेस, क्रिटिकल मिनरल्स, एनर्जी और एजुकेशन समश्त कई क्षेत्रों में सहयोग एवं सहमति बढ़ाने के मौके हैं।

यह सहमति केवल औपचारिकता नहीं बल्कि रिश्तों को एक नए मोड़ पर लाने का संकेत थी। कनाडा एक उभरती हुई टेक्नोलॉजी शक्ति है और भारत विश्व की सबसे बड़ी तकनीकी प्रतिभा का केंद्र बन चुका है। ऐसे में दोनों देशों के बीच टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, स्टार्टअप्स, ऊर्जा और शिक्षा के क्षेत्र में अपार संभावनाएँ हैं जिनकी दिशा अब खोली जा रही है। वैसे भी भारत के स्टूडेंट्स के लिये अब भी कनाड़ा सबसे पसंदीदा जगहों में एक हैं। कनाडा अपने नागरिकता कानून में भी बदलाव करने जा रहा है, उससे भी भारतीयों को फायदा होने की व्यापक संभावनाएं है।

पीयूष गोयल के वक्तव्य में दिखती आर्थिक साझेदारी की दृष्टि इस बात का परिचायक है कि भारत और कनाडा अब केवल राजनीतिक संवाद से आगे बढ़कर व्यावहारिक सहयोग के नए आधार बना रहे हैं। 50 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य बेहद महत्वाकांक्षी है, लेकिन यह उन आर्थिक संभावनाओं का वाश्तविक अनुमान भी है जो दोनों देशों की नीतियों, संसाधनों और क्षमताओं में मौजूद है। भारत कनाडा के लिए एक विशाल बाजार है और कनाडा भारत के लिए एक महत्वपूर्ण ऊर्जा, खनिज, कृषि और तकनीकी साझेदार। इसी परस्पर निर्भरता और जरूरत ने दोनों देशों को फिर से एक-दूसरे की ओर कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। अब जरूरी है कि विभिन्न श्तरों पर बातचीत जारी रखते हुए जल्द समझौते तक पहुंचा जाये।

हाल के वर्षों में दुनिया बहुधूरवीय स्वरूप की ओर बढ़ रही है। अमेरिका, यूरोप, चीन, रूस और पश्चिम एशिया जैसे शक्ति केंद्रों के बीच उभर रही नई अनिश्चितताओं ने मध्यम और उभरती शक्तियों को नए साझेदार तलाशने के लिए विवश किया है।

भारत और कनाडा इस वैश्विक संरचना में ऐसे दो देश हैं जिनके पास जनसांख्यिकीय शक्ति, आर्थिक संसाधन, शिक्षा-तकनीक की क्षमता और लोकतांत्रिक मूल्यों का साझा आधार मौजूद है। ऐसे में इन दोनों का साथ आना न केवल द्विपक्षीय संबंधों के लिए आवश्यक है बल्कि एक नई वैश्विक संरचना के निर्माण में भी उपयोगी हो सकता है। यह संरचना सहयोग, नवाचार, जलवायु न्याय, हरित तकनीकों और स्थायी विकास पर आधारित हो सकती है।

कनाडा में भारतीय मूल की बड़ी आबादी दोनों देशों के रिश्तों को मानवीय और सामाजिक आधार भी देती है। जब भी रिश्तों में तनाव आया, प्रवासी भारतीय समुदाय उसके बीच पुल की तरह खड़ा दिखाई दिया है। यही समुदाय आर्थिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं व्यावसायिक रिश्तों को नई दिशा देने में निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

यह समुदाय न केवल कनाडा के आर्थिक विकास का हिस्सा है बल्कि भारत-कनाडा संबंधों की गहरी कड़ी भी है। यही कारण है कि दोनों सरकारों ने इस सामाजिक संबंध को और मजबूत करने का प्रयास शुरू किया है जिससे गलतफहमियाँ कम हों, लोगों के बीच भरोसा बढ़े और राजनीतिक विवादों का असर द्विपक्षीय रिश्तों पर सीमित रहे।

वर्तमान दौर में भारत की वैश्विक छवि एक निर्णायक, प्रभावशाली और विश्व-हितैषी शक्ति के रूप में उभर रही है। प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीतिक शैली, वैश्विक मंचों पर सक्रियता और विकास-शांति आधारित विदेश नीति ने भारत की स्थिति को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। दूसरी ओर कनाडा भी एक स्थिर लोकतंत्र और बहुसांस्कृतिक देश के रूप में वैश्विक श्तर पर अपनी भूमिका को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है। दोनों देशों की यह समान सोच और नई वैश्विक चुनौतियों के प्रति साझा दृष्टिकोण अब आपसी सहयोग के लिए अधिक अनुकूल अवसर पैदा कर रहा है।

समीक्षा के इस चरण में यह स्पष्ट है कि भारत-कनाडा संबंधों में आया यह सकारात्मक मोड़ केवल कूटनीतिक औपचारिकता नहीं बल्कि गहरे आर्थिक, सामाजिक और रणनीतिक हितों पर आधारित है। मार्क कार्नी सरकार को भी यह समझ आ रही है कि भारत जैसे मजबूत साझेदार से दूरी कनाडा की आर्थिक और वैश्विक भूमिका के लिए सही नहीं।

वहीं भारत भी उन देशों के साथ संबंधों का विस्तार चाहता है जो तकनीक, शिक्षा, कृषि, ऊर्जा और नवाचार के क्षेत्रों में मूल्यवान साझेदारी दे सकते हैं। यही वजह है कि दोनों देश अब नयी समझ विकसित करते हुए एक ऐसे दौर की ओर बढ़ रहे हैं जिसमें संवाद, सहयोग और परस्पर सम्मान केंद्रीय भूमिका निभाएंगे।

अंततः यह कहा जा सकता है कि भारत और कनाडा के रिश्तों में शुरू हुई यह नई गर्माहट एक बड़े बदलाव का संकेत है। यह बदलाव न केवल आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देगा बल्कि वैश्विक शांति, नई तकनीक, हरित विकास और सामाजिक सौहार्द की दिशा में भी नई संभावनाएँ खोलेगा। दोनों देश यदि इसी सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ते रहे तो यह केवल द्विपक्षीय संबंधों को नई मजबूती नहीं देगा, बल्कि एक नई विश्व संरचना के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है)

अमीर अली : सात सौ हत्याएं करने वाला ठग

क्या कोई ठग अपने ठगी के लगभग बीस साल के समय में 700 हत्याएं कर सकता है। इस पर यकीन नही होता किंतु यह सत्य है। 700 हत्याएं करने वाला ठग अमीर अली जेल में ठांठ से रहता है। उसे इन हत्याओं पर कोई अफसोस नही।

अशोक मधुप

फिलिप मिडोज टेलर की पुश्तक एक ठग की दाश्तान का हिंदी में अनुवाद राज नारायण पांडेय ने किया है। 700 से अधिक हत्याएँ करके अपराध के महासिन्धु में डूबा हुआ अमीर अली जेल में सामान्य बन्दियों से पृथक बड़े ठाट-बाट से रहता था। वह साफ कपड़े पहनता, अपनी दाढ़ी सँवारता और पाँचों वक्त की नमाज अदा करता था। उसकी दैनिक क्रियाएँ नियमपूर्वक चलती।

अपराधबोध अथवा पश्चात्ताप का कोई चिह्न उसके मुख पर कभी नहीं देखा गया। उसे भवानी की अनुकम्पा और शकुनों पर अटूट विश्वास था। एक प्रश्न के उत्तर में उसने कहा था कि भवानी स्वयं उसका शिकार उसके हाथों में दे देती है, इसमें उसका क्या कसूर? और अल्लाह की मर्जी के बिना एक पत्ता भी नहीं हिल सकता।

उसका यह भी कहना था कि यदि वह जेल में न होता तो उसके द्वारा शिकार हुए यात्रियों की संख्या हजार से अधिक हो सकती थी।

पुश्तक 'एक ठग की दाश्तान' 19वीं शताब्दी के आरम्भकाल में मध्य भारत, महाराष्ट्र तथा निजाम के समश्त इलाकों में सड़क मार्ग से यात्रा करनेवाले यात्रियों के लिए आतंक का पर्याय बने ठगों में सर्वाधिक प्रसिद्ध अमीर अली के विभिन्न रोमांचकारी अभियानों की तथ्यपरक आत्मकथा है। इसे लेखक ने स्वयं जेल में अमीर अली के मुख से सुनकर लिपिबद्ध किया है। "एक ठग की आत्मकथा" — एक अत्यंत चर्चित कृति है। यह उपन्यास 1839 में प्रकाशित हुआ था और इसे भारतीय समाज, अपराध, धार्मिक अंधविश्वास तथा ब्रिटिश औपनिवेशिक दृष्टिकोण को समझने के लिए एक महत्वपूर्ण दश्तावेज़ माना जाता है।टेलर स्वयं ब्रिटिश अधिकारी थे और उन्होंने लंबे समय तक भारत में कार्य किया।

ारतीय संस्कृति, भाषा और समाज की गहरी समझ होने के कारण उन्होंने इस उपन्यास को न केवल अपराध की कथा के रूप में, बल्कि भारतीय जीवन के एक यथार्थ चित्र के रूप में प्रस्तुत किया। फिलिप मीडोज़ टेलर (1808–1876) ब्रिटिश अधिकारी, प्रशासक, और लेखक थे। उन्होंने अपने जीवन का अधिकांश समय भारत में बिताया, विशेषकर दक्षिण भारत के क्षेत्रों में। टेलर का झुकाव भारतीय जीवन, लोककथाओं और रहस्यमयी घटनाओं की ओर था। उन्होंने भारतीय समाज को केवल शासन की दृष्टि से नहीं, बल्कि मानवता और संस्कृति की दृष्टि से भी गहराई से समझा।

-"एक ठग की आत्मकथा" मूल रूप से एक अपराधी ठग, अमीर अली, की आत्मकथा है जिसे ब्रिटिश पुलिस पकड़ लेती है। कहानी का अधिकांश भाग अमीर अली के अपने अपराधी जीवन के वर्णन पर आधारित है, जिसे वह एक अंग्रेज अधिकारी को सुनाता है। अमीर अली मुस्लिम पृष्ठभूमि का व्यक्ति है, जो ठगों के एक संगठन से जुड़ जाता है।

ये ठग धार्मिक और रहस्यमयी विश्वासों से प्रेरित होकर यात्रियों की हत्या करते थे और उनका धन लूट लेते थे। वे देवी काली की पूजा करते थे और मानते थे कि उनकी हत्या "धार्मिक बलिदान" का एक रूप है। अमीर अली अपने ठग जीवन के आरंभ, प्रशिक्षण, धार्मिक विश्वासों, यात्राओं, और अंततः गिरफ्तारी तक की कथा बड़े आत्मविश्वास और विश्तार से सुनाता है।

कथा में भारत के विभिन्न भूभागों — मध्य भारत, बुंदेलखंड, मालवा, दक्षिण, आदि — के दृश्य आते हैं, जो 19वीं शताब्दी के भारत की सामाजिक और भौगोलिक झलक प्रश्तुत करते हैं।अमीर अली का बाप भी ठग है। वह अपने बेटे काठगी की विधिवत ट्रेनिंग देता है। ये ठग अपने शिकार की एक रूमाल से हत्या करते हैं। रूमाल के एक किनारे में एक सिक्का बंधा होता है। ये अपने शिकार को बातों में लगाकर उसके गले में रूमाल डालकर उसे ऐंठ देते हैं।इससे शिकार का गला घुट जाता है और कुछ ही पल में मौत हो जाती है।ये मरे शिकार का पेट फाड़कर उसे जगह में दाब देतें हैं, जहां पता न लग सके।

पुश्तक के तीन पात्र हैं1. अमीर अली – कहानी का नायक और कथावाचक। वह एक बुद्धिमान, साहसी, परंतु नैतिक दृष्टि से भ्रष्ट ठग है। उसके भीतर अपराध और आस्था का विचित्र मिश्रण है। 2.कैप्टन विलियम्स – ब्रिटिश अधिकारी जो अमीर अली से पूछताछ करता है और उसकी आत्मकथा को सुनता है। यह पात्र लेखक का प्रतिनिधि है। 3. ठगों का गिरोह – यह समूह संगठित अपराध का प्रतीक है, जो धार्मिक प्रतीकों और परंपराओं का सहारा लेकर हत्याओं को न्यायोचित ठहराता है।

पुश्तक में लेखक टेलर ने दिखाया कि कैसे धर्म और अंधविश्वास को अपराध का औचित्य सिद्ध करने के लिए प्रयोग किया जा सकता है। ठग देवी काली की सेवा के नाम पर यात्रियों की हत्या करते थे। कथा में विभिन्न भाषाएँ, रीति-रिवाज, परिधान, और लोकधारणाएँ शामिल हैं, जो भारत की बहुरंगी सामाजिक संरचना को दर्शाती हैं। अमीर अली का चरित्र गहराई से मनोवैज्ञानिक है। वह अपराधी है, परंतु पूरी तरह निर्दयी नहीं। वह अपने कर्मों को धार्मिक औचित्य से जोड़ता है, जिससे उसके भीतर द्वंद्व उत्पन्न होता है।

टेलर की भाषा सरल, प्रभावशाली और चित्रात्मक है। उन्होंने अंग्रेज़ी में लिखा, लेकिन भारतीय शब्दों — जैसे ठग, फकीर, देवी, नमाज़, काली — का प्रयोग प्रचुर मात्रा में किया, जिससे पाठक को भारतीय वातावरण का यथार्थ अनुभव होता है। संवाद-शैली ने उपन्यास को जीवंत बनाया है। अमीर अली के कथन आत्मस्वीकारोक्ति के रूप में हैं, जो उसे विश्वसनीय बनाते हैं।

"एक ठग की आत्मकथा अंग्रेजी साहित्य में पहला ऐसा उपन्यास था जिसने भारत के अपराध-जगत और औपनिवेशिक यथार्थ को इतने जीवंत रूप में प्रश्तुत किया। यह उपन्यास थ्रिलर शैली का प्रारंभिक उदाहरण भी माना जाता है, क्योंकि इसमें रहस्य, हत्या और मनोवैज्ञानिक तनाव का उत्कृष्ट संयोजन है। साथ ही, इस उपन्यास ने पश्चिमी पाठकों के बीच भारत के रहस्यमयी और अंधविश्वासी रूप की एक स्थायी छवि बनाई, जो बाद में औपनिवेशिक साहित्य की विशेषता बन गई।

उपन्यास उस समय लिखा गया जब ब्रिटिश सरकार भारत में ठगों के उन्मूलन के अभियान में जुटी थी।वाश्तव में, 1830 के दशक में कैप्टन विलियम स्लीमैन ने ठगों के गिरोहों के विरुद्ध बड़े पैमाने पर कार्रवाई की थी।टेलर ने इसी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को आधार बनाकर अपने उपन्यास की रचना की। इस प्रकार यह रचना केवल साहित्यिक कल्पना नहीं, बल्कि एक सामाजिक-ऐतिहासिक दश्तावेज़ भी है।

उपन्यास यह संदेश देता है कि जब अंधविश्वास और धार्मिक कट्टरता मानव बुद्धि पर हावी हो जाते हैं, तो अपराध को भी "धर्म का रूप मिल जाता है। अमीर अली जैसे पात्र यह दिखाते हैं कि नैतिकता केवल कानून से नहीं, बल्कि विवेक और सहानुभूति से आती है। यह रचना यह भी इंगित करती है कि समाज में शिक्षा और विवेक का प्रसार ही ऐसे अपराधों का अंत कर सकता है।

फिलिप मीडोज़ टेलर की "एक ठग की आत्मकथा" केवल अपराध की कहानी नहीं, बल्कि भारतीय समाज के एक ऐसे अंधेरे पक्ष की गाथा है जहाँ धर्म, अंधविश्वास और लालच आपस में उलझे हैं। यह उपन्यास औपनिवेशिक युग के भारत को समझने का एक सशक्त माध्यम है।अमीर अली का चरित्र अपराधी होते हुए भी मानवीय जटिलताओं से भरा है, जो पाठक को यह सोचने पर विवश करता है कि अपराध केवल व्यक्ति का नहीं, समाज का भी दर्पण होता है ।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

यूपी-बिहार से लौट रहे श्रमिकों का संकट : कन्फर्म टिकट का टोटा, बस किराए में लूट और सूरत के उद्योगों पर मंडराता खतरा

कांतिलाल मांडोत

दिवाली और छठ पूजा पर अपने घर गए यूपी-बिहार के लाखों प्रवासी श्रमिक अब सूरत, मुंबई, उदयपुर, चित्तौड़गढ़ और देश के अन्य औद्योगिक शहरों की ओर लौट रहे हैं। लेकिन वापसी की यह यात्रा उनके लिए पहले से अधिक कष्टदायक, महंगी और जोखिमभरी साबित हो रही है। रेल प्रशासन द्वारा पर्याप्त विशेष ट्रेनों की व्यवस्था न किए जाने, बस ऑपरेटरों द्वारा मनमाना किराया वसूलने, और जनरल कोचों में भयावह भीड़ जैसी समस्याओं ने मजदूरों की मुश्किलें कई गुना बढ़ा दी हैं।

यह स्थिति केवल यात्रियों की परेशानी नहीं, बल्कि उन औद्योगिक क्षेत्रों के लिए भी गंभीर चुनौती है, जिनकी अर्थव्यवस्था यूपी-बिहार के श्रमिकों पर निर्भर है। खासकर सूरत का टेक्सटाइल सेक्टर उत्सव की उमंग के बाद लौटने का संघर्ष है। दिवाली और छठ बिहार-यूपी के लिए सबसे बड़े सामाजिक, धार्मिक पर्व माने जाते हैं। इन दिनों प्रवासी श्रमिक अपने परिवारों के बीच रहना चाहते हैं, इसलिए लाखों की संख्या में लोग वापस अपने गाँव, कस्बों की ओर जाते हैं।

लेकिन त्योहारऔर चुनाव खत्म होते ही जब वे रोज़गार के लिए लौटना चाहते हैं, तो उन्हें सबसे पहले जिस समस्या का सामना करना पड़ता है, वह है कन्फर्म टिकट का संकट। कन्फर्म टिकट एक सपना बन गया है। सूरत, अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, राजस्थान सहित देश के प्रमुख औद्योगिक शहरों से यूपी-बिहार आने वाली लगभग सभी ट्रेनों में वेटिंग 300 से 600 तक पहुंच चुकी है। सूरत-पटना, उधना- छपरा-मुंबई-दरभंगा अहमदाबाद-गोरखपुर सूरत, भागलपुर आदि इन सभी ट्रेनों में एक भी कन्फर्म सीट मिलना लगभग नामुमकिन हो चुका है। स्थिति यह है कि त्योहार वाले सप्ताह में भर गई वेटिंग अब भी कम होने का नाम नहीं ले रही। जनरल कोच बने है दहनिय डिब्बे। कन्फर्म टिकट न मिलने के कारण लाखों यात्री मजबूरी में जनरल कोचों में सफर कर रहे हैं। इन डिब्बों की स्थिति इतनी दयनीय है कि लोग इसे दहनिय कोच कहने लगे हैं। भीड़, घुटन, गर्मी और जान जोखिम में डालने वाली यात्रा हो गई है।

एक कोच की क्षमता 100-120 यात्रियों की होती है, लेकिन इसमें 400-500 लोग ठूंसे जा रहे हैं। शौचालय तक पहुंचना असंभव है। खड़े रहने की जगह तक नहीं। बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग सबसे ज्यादा परेशान होते है। रेल प्रशासन इस भीड़ को नियंत्रित करने में असमर्थ दिखाई देता है। सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिहाज से यह स्थिति बेहद खतरनाक है।

बस ऑपरेटरों की मनमानी की वजह से किराया ढाई से तीन गुना बढ़ा दिया गया है। जब ट्रेन में जगह नहीं मिलती, तो श्रमिकों के पास बस का विकल्प बचता है। लेकिन बस ऑपरेटर स्थिति का फायदा उठाकर यात्रियों से मनमाना किराया वसूल रहे हैं। बिहार-यूपी से सूरत का किराया सामान्य दिनों मे 1800-2200 रुपये होता है। मौजूदा स्थिति में वसूला जा रहा किराया 5000 रुपये तक है।

किराए में न भोजन मिलता है न आराम, और कई बार तो असुरक्षित व अवैध बसों में यात्रा करनी पड़ती है। दिहाड़ी मजदूरों के लिए यह खर्च बहुत भारी पड़ता है। जो लोग त्योहार के दौरान अपनी जमा-पूंजी खर्च कर चुके होते हैं, वे लौटते समय कर्ज लेने को मजबूर हो जाते हैं। बाधित यात्रा का सबसे बड़ा असर सूरत की टेक्सटाइल इंडस्ट्री पर खतरा है।

सूरत, जो देश का सबसे बड़ा सिंथेटिक टेक्सटाइल हब है, उसकी रीढ़ यूपी-बिहार के ही श्रमिक हैं। पावरलूम, डाइंग, प्रिंटिंग, एम्ब्रॉयडरी और फिनिशिंग यूनिट्स में काम करने वाले 60-70% मजदूर इन्हीं राज्यों से आते हैं। सूरत उद्योग की हालत खराब क्यों पड़ रही है? त्योहार के बाद मशीनें आधी बंद पड़ी हैं। मजदूर नहीं लौटने से उत्पादन घट रहा है। ऑर्डर पूरे न होने से व्यापारियों की परेशानी बढ़ी। छोटे मालिकों को दैनिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

यदि श्रमिक इसी तरह देरी से लौटते रहे, तो सूरत की टेक्सटाइल इकाइयों पर गंभीर असर पड़ सकता है। क्रिसमस-न्यू ईयर का सीजन भी प्रभावित होगी। । बिहार-यूपी की ट्रेनों में वेटिंग लगातार बढ़ रही है। रेलवे की वेबसाइट और टिकट काउंटरों पर रोज यात्रियों की भीड़ देखी जा रही है। हर ट्रेन में वेटिंग सूची बढ़ती ही जा रही है क्योंकिश्रमिक एक साथ लौटना चाहते हैं। अभी सीमित ट्रेनें चल रही हैं। इन ट्रेनों में जनरल कोच बढ़ाया जाए। लेकिन फिर भी अतिरिक्त कोच और विशेष ट्रेनें पर्याप्त नहींहै।

परिणामस्वरूप, यात्रियों की परेशानी दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। . उद्योग जगत और यात्रियों की मांग है कि तुरंत अतिरिक्त ट्रेनें चलें। यूपी-बिहार के संगठनों, सामाजिक संस्थाओं, सूरत के उद्योगपतियों और श्रमिक संगठनों की एक ही मांग है कि रेल प्रशासन तुरंत अतिरिक्त विशेष ट्रेनें चलाए।

पटना, बनारस, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, कटिहार, भागलपुर, छपरा से आने वाली अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनें बढ़ाई जाए। जनरल कोचों की संख्या को दोगुना किया जाए। रेल प्रशासन अगर यह कदम उठाता है तो यात्रा का दबाव काफी हद तक कम हो सकता है। मुंबई-उदयपुर-चित्तौड़गढ़ः यहां तो रोज की एक भी ट्रेन नहीं जहाँ यूपी-बिहार जाने वाले यात्री ट्रेनें न मिलने से परेशान हैं, वहीं दूसरी ओर मुंबई, उदयपुर और चित्तौड़गढ़ जैसे महत्वपूर्ण रूटों पर भी रोज़ की एक स्थायी ट्रेन तक उपलब्ध नहीं है।

इन मार्गों पर कामकाजी लोग छात्र, व्यापारिक, यात्रा पर्यटक सभी को वैकल्पिक साधनों पर निर्भर रहना पड़ता है। इसका सीधा असर रोजगार, पर्यटन और व्यापार पर पड़ रहा है। क्यों हर साल दोहराती है यह समस्या?यह समस्या नई नहीं है। दिवाली-छठ के बाद हर साल यही दृश्य देखने को मिलता है। पुरानी रेल संरचना ट्रैकों की क्षमता सीमित है। मांग के अनुसार ट्रेनें नहीं बढ़ रहीं।

लाखों की संख्या में प्रवासी श्रमिक, जिनकी यात्रा एक ही समय में होती है। राज्य सरकारों और रेल मंत्रालय में समन्वय की कमी। बस ऑपरेटरों पर नियंत्रण नहीं। जब तक इन बिंदुओं पर स्थायी समाधान नहीं होता, समस्या साल-दर-साल बढ़ती जाएगी। भीड़ का दबाव सिर्फ यात्रा को असुविधाजनक नहीं बनाता, बल्कि यह सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए भी बड़ा खतरा है। ओवरलोडेड बसें सड़क दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ाती हैं। जनरल कोचों में दम घुटने, बेहोशी, चोट-लगने जैसी घटनाएं आम हो चुकी हैं। लंबी यात्रा में साफ-सफाई न होने से संक्रमण का खतरा।

श्रमिक भावनात्मक रूप से भी परेशान रहते हैं। काम पर लौटना जरूरी है, पर राश्ता सुरक्षित नहीं है। विशेष ट्रेनों की संख्या बढ़ाई जाए। सूरत, मुंबई, अहमदाबाद जैसे शहरों से यूपी-बिहार के लिए 10 अतिरिक्त ट्रेनें तुरंत चलाई जा सकती हैं। डिमांड आधारित ट्रेन संचालनजरूरी है।

त्योहारी सीजन में रेलवे को मांग के अनुसार कोच और रूट तय करने चाहिए। राज्य सरकारों को बस ऑपरेटरों पर दरें तय करने और अवैध बसों पर कार्रवाई करनी चाहिए। श्रमिकों के लिए विशेष "इंडस्ट्रीयल ट्रेनें" सूरत-मुंबई-अहमदाबाद जैसे शहरों से 12 महीनों तक कुछ तय ट्रेनें श्रमिकों के लिए आरक्षित की जा सकती हैं। यूपी-बिहार के प्रवासी श्रमिक देश के उद्योगों, विशेषकर सूरत के टेक्सटाइल सेक्टर, मुंबई के निर्माण कार्य, राजस्थान के पत्थर उद्योग और अन्य कई क्षेत्रों की रीढ़ हैं। यदि ये श्रमिक सुरक्षित और सम्मानजनक तरीके से अपने कार्यस्थलों तक नहीं पहुंच पाएंगे, तो केवल वे ही नहीं, बल्कि देश की औद्योगिक अर्थव्यवस्था भी प्रभावित होगी।

सरकार, रेलवे प्रशासन और राज्य सरकारों को समन्वय बनाकर इस वार्षिक संकट का स्थायी समाधान निकालना होगा। यात्रियों की सुविधा, श्रमिकों की सुरक्षा और उद्योगों की निरंतरता तीनों एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोनः 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com ई-मेलः todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-UPHIN/2009/30721**

लोहे सरिया चुराने वाले तीन चोर पकड़े

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। थाना क्वार्सी पुलिस टीम द्वारा लोहे की सरिया चुराने के मामले में वांछित चल रहे तीन शातिर चोरों को मय चोरी की सरिया, ढ़केलनुमा गाड़ी व रुपयों सहित गिरफ्तार किया गया है। अज्ञात चोरों द्वारा रामघाट रोड ओएलएफ स्कूल के सामने नाले निर्माण के लिए रखी लोहे की सरिया को चोरी कर ले जाने और निर्माणधीन मकान से बिजली फिंटिंग के तार व अन्य सामान चोरी हो जाने के सम्बन्ध में मुकद्दमा पंजीकृत किया गया था। थाना क्वार्सी पुलिस टीम द्वारा चोरी के प्रकरण में वांछित चल रहे शातिर चोर नौशाद पुत्र सुल्तान निवासी गली नं0 22 नगला पटवारी थाना क्वार्सी,बाबू उर्फ छोटे पुत्र मौहम्मद अय्यूब निवासी रियाज कालौनी थाना क्वार्सी,यूसुफ पुत्र युनूस निवासी बिहारी कालोनी नगला पटवारी थाना क्वार्सी को मय चोरी की लोहे की सरिया बजन करीब चार क्विंटल, एक सामान ढोने की गाड़ी व माल बेचने से प्राप्त 650 रुपये सहित थाना क्षेत्र क्वार्सी से गिरफ्तार किया है।

रास्ते में मोबाइल और पैसे छीनने वाले को दबोचा

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। थाना टप्पल पुलिस टीम द्वारा हथियारों के बल पर राश्ते में रोककर मारपीट कर धमकी देने व मोबाइल, रुपये छीन ले जाने के प्रकरण में वांछित चल रहे आरोपी को मय लूट के रुपये, मोबाइल फोन, अवैध चाकू व घटना में प्रयुक्त कार सहित गिरफ्तार किया है।दो दिन पूर्व रात्रि में अज्ञात चोरों द्वारा वादी को राश्ते में रोककर मारपीट कर धमकी देने व मोबाइल, रुपये छीन ले जाने के सम्बन्ध में मकद्दमा पंजीकृत किया गया था। थाना टप्पल पुलिस टीम द्वारा वांछित चल रहे सतेन्द्र कुमार सिंह पुत्र शिव सिंह निवासी ग्राम अन्धेर की गढी थाना नौहझील जनपद मथुरा को मय लूटा गया मोबाइल, लूट के 33 सौ रुपये, एक अवैध चाकू व घटना में प्रयुक्त कार वैगनार के साथ थाना क्षेत्र टप्पल से गिरफ्तार किया गया है।

रैन बसेरे में होमगाड ने ड़ाला ड़ेरा,तीमारदार ठण्ड़ में ठिठुरने को मजबूर

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। मलखान सिंह जिला अस्पताल में तीमारदारों के लिए रैन बसेरा बनाया गया है। लेकिन, रैन बेरे पर एक होमगार्ड ने अपना अवैध रूप से कब्जा जमा कर ड़ेरा जमा लिया है जिससे तीमारदार को परेशानी होती है। जिला अस्पताल में कहने को दो रैन बसेरे हैं। एक रैन बसेरा ब्लड बैंक के सामने है। वहीं दूसरा रैन बसेरा वार्ड नंबर 9 के पास है। जिला अस्पताल मलखान सिंह के रैन बसेरे में अगर आपको सोना है, तो होमगार्ड ने अपना आवास रैन बसेरे को ही बना लिया है जिसके कारण तीमारदार ठिठुरने को मजबूर हैं। कड़ाके की ठंड में तीमारदार रैन बसेरों के बाहर सो रहे हैं। रात के समय तीमारदार अलाव के सहारे समय गुजारते हैं। या फिर इधर से उधर भटकते रहते हैं। इस मामले में अस्पताल प्रशासन का कहना है कि ब्लड बैंक और वार्ड नंबर नौ के पास रैन बसेरे बने हैं। सुरक्षा की दृष्टि से इनकी चाबी ब्लड बैंक और वार्ड नंबर नौ में रहती है। यहां संपर्क नंबर भी लिखा है। अगर कोई भी व्यक्ति इसका उपयोग करना चाहे तो संपर्क कर चाबी ले सकता है।

क्रेडिट इनेबलमेंट हेतु लाभान्वित करने के लिए कार्रवाई करें बैंक : नगर आयुक्त

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। कल्याण सिंह हेरिटेज सेंटर में नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा की अध्यक्षता में जिला नगरीय विकास अभियंत्रण खण्ड कार्यालय के अंतर्गत संचालित पीएम स्वनिधि, पीएम आवास योजना (शहरी) 1.0 एवं 2.0 तथा मुख्यमंत्री नरेगा, अनुसूचित एवं मिश्रित बश्ती विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समीक्षा बैठक में नगर आयुक्त ने अधिकारियों एवं बैंक प्रतिनिधियों को योजनाओं की प्रगति पर व्यापक दिशा-निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत प्राप्त नवीन ऑनलाइन आवेदनों की स्थानीय श्तर पर असंतोषजनक स्थिति पर नगर आयुक्त ने कड़ा नाराज़गी व्यक्त करते हुए नगर पंचायत चण्डौस, गभाना, जलाली, जटरई, जवां सिविल लाइन एवं क्वार्सी में लंबित आवेदनों की तत्काल जांच कर 02 दिसम्बर तक लक्ष्य के अनुरूप निश्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने स्वनिधि योजना में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय ऋण स्वीकृति और वितरण हेतु बैंकों द्वारा धीमी प्रगति पर नगर आयुक्त ने अप्रसन्नता व्यक्त की और बैंकर्स को निर्देशित किया कि योग्य लाभार्थियों की फाइलों को तात्कालिक स्वीकृति देते हुए ऋण वितरण तेजी से पूर्ण किया जाए। बैठक में अपर नगर आयुक्त राकेश कुमार यादव, सहायक नगर आयुक्त वीर सिंह एंव तपस्या यादव, परियोजना अधिकारी डूडा कौशल कुमार, प्रभारी अधिकारी पी०एम० स्वनिधि योजना नगर निगम राम किशोर कमल, अधिशासी अधिकारी अरविन्द सिंह, ब्रजेन्द्र चौधरी, परवीन सिंह, रमा दूबे एंव अनामिका, शहर मिशन प्रबन्धक डूडा अनीस अहमद एंव राधे श्याम, सामुदायिक आयेजक सुल्तान अहमद, रोबिन सिंह, अंकुश कुमार एंव अब्दुल रऊफ, अवर अभियन्ता शिवराम सिंह तथा समश्त जिला समन्वयक बैंक आदि उपस्थित रहें।

नेपाल के मंदिरों और मदरसों से स्लीपर सेल की फंडिंग

सामने आया आतंक का नया मॉड्यूल

लखनऊ , एजेंसी। नेपाल में बने विदेशी मंदिरों से भी स्लीपर सेल को फंडिंग की जा रही है। हाल ही में महराजगंज जिले से सटे भगवान बुद्ध की जन्मस्थली लुंबिनी में ऐसी गतिविधि सामने आई है, जहां चीन की एक संस्था तराई क्षेत्र में समाज कल्याण के नाम पर युवाओं को पैसे मुहैया करा रही है। इसके लिए भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने नेपाल से मदद मांगी है। बहराइच से लगे नेपालगंज के मदरसे में तुर्किए की संस्था आईएचएच ने इस वर्ष करीब 20 करोड़ का फंड मुहैया कराया है। इस मदरसे से श्रावस्ती के भी कुछ लोगों का जुड़ाव मिला है।

दिल्ली धमाके में तुर्किए की संलिप्तता के बाद नेपालगंज में आईएचएच की बढ़ी सक्रियता से सुरक्षा एजेंसियों ने चौकसी बढ़ाई है। नेपाल सीमा पर काम कर चुके पूर्व आईबी अधिकारी संतोष सिंह बताते हैं कि तुर्किए के इस कट्टरपंथी एनजीओ के तार शादत से जुड़े हैं, जिसका असल काम जिहादियों की भर्ती और फिर उन्हें प्रशिक्षित करना है। सीरिया, कतर, ब्रिटेन और अमेरिका तक की आतंकी गतिविधियों में शादत की संलिप्तता मिली है।

दिल्ली धमाके के बाद सफेदपोश आतंकवाद की जांच में जुटी सुरक्षा एजेंसियों को भी विदेशी मंदिरों और मदरसों से स्लीपर सेल की फंडिंग की जानकारी मिली है। इसे पाकिस्तान की आईएसआई व चीन की खुफिया एजेंसी मिनिस्ट्री ऑफ स्टेट सिक्योरिटी (एमएसएस) का बदले पैंतरा माना जा रहा है। इसी इनपुट के आधार पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बहराइच व श्रावस्ती में भी बीते सप्ताह दो ठिकानों को खंगाला है। महराजगंज के एक पूर्व नगर निकाय अध्यक्ष की भी जानकारी जुटाई गई है।

ये शहर और जिले भी संवेदनशील

अभी तक की जांच में संतकबीरनगर का मेहदावल, कुशीनगर, सिद्धार्थनगर, अंबेडकरनगर, श्रावस्ती, बहराइच, सुल्तानपुर, बलरामपुर, महराजगंज, बरेली, रायबरेली, गोंडा के साथ ही बाराबंकी बेहद संवेदनशील है। इनमें बरेली, रायबरेली और महराजगंज में लश्कर-ए-ताइबा का नेटवर्क सामने आ चुका है।

भाजपा ने 14 जिलाध्यक्षों का किया एलान, देर रात जारी की गई सूची, सत्ता के समीकरण पर पार्टी की पूरी नजर

लखनऊ , एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार देर रात उत्तर प्रदेश के 14 जिलों में जिलाध्यक्ष के नाम की घोषणा कर दी। बुधवार रात 14 जिलाध्यक्ष के नामों का एलान प्रदेश चुनाव अधिकारी और पूर्व केंद्रीय मंत्री महेंद्र नाथ पांडेय ने किया। भाजपा ने जिलाध्यक्ष का जिले स्तर पर चुनाव कराया था। इस चुनाव के बाद नामों का एलान लंबे समय से अटका हुआ था। इसी क्रम में बुधवार को 14 जिलों के अध्यक्षों का ऐलान किया गया।

हटाए गए विवादों में रहे फतेहपुर के अध्यक्ष : लंबे समय बाद भाजपा ने बुधवार की रात 14 और जिलाध्यक्षों की घोषणा कर दी है। इसमें से पांच जिलों में पुराने चेहरों को ही दुबारा मौका दिया गया है। वहीं, गंभीर आरोपों से घिरे फतेहपुर के जिलाध्यक्ष को पार्टी ने हटा दिया बता दें कि पार्टी इससे पहले 70 जिलाध्यक्षों की घोषणा कर चुकी है। ऐसे में अब 98 जिलों में से 84 जिलाध्यक्षों की घोषणा हो चुकी है। इस प्रकार वाराणसी

समेत 14 जिले बचे हैं जिनके अध्यक्ष की घोषणा होना बाकी है।

प्रदेश भाजपा संगठन चुनाव के अधिकारी डा. महेन्द्र नाथ पांडेय ने बुधवार को 14 जिलाध्यक्षों की घोषणा कर दी है। इनमें आधे यानी सात पिछड़ा वर्ग हैं जबकि छह सामान्य वर्ग के हैं। एक जिलाध्यक्ष अनुसूचित जाति के हैं। अलीगढ़ जिला, अलीगढ़ महानगर, फिरोजाबाद जिला, कौशांबी व फिरोजाबाद जिला में पार्टी ने पुराने चेहरों को फिर से जिम्मेदारी दी है। पार्टी ने फतेहपुर के जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल को हटा दिया है। उन पर पार्टी में पद दिलाने के नाम पर 50 लाख रुपये लेने के आरोप लगे थे। उनके स्थान पर अन्नू श्रीवास्तव को फतेहपुर का जिलाध्यक्ष बनाया गया है।

योजना कॉलोनी सेक्टर-ए सीतापुर मार्ग स्थित बाबा विश्वनाथ मंदिर से धूमधाम से निकाली कलश यात्रा

लखनऊ , एजेंसी। योजना कॉलोनी सेक्टर-ए सीतापुर मार्ग स्थित बाबा विश्वनाथ मंदिर से बुधवार को कलश यात्रा धूमधाम से निकाली गई। मंदिर के 34वें स्थापना दिवस पर श्रीमद्भागवत कथा के उपलक्ष्य यह आयोजन किया गया।

सर्वेश्वरनाथ मंदिर, राम-राम बैंक चौराहा, महादेव होटल चौराहा, पल्टन छावनी सहित विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए यात्रा वापस मंदिर पर पहुंचकर संपन्न हुई। महिला सत्संग मंडल की अध्यक्ष कमलेश दुबे ने बताया कि कथा बृहस्पतिवार से शुरू होकर तीन दिसंबर तक रोजाना दोपहर 12 से तीन बजे तक चलेगी। आचार्य पं. गोविंद मिश्रा कथा सुनाएंगे। शाम छह से रात नौ बजे तक वृंदावन के कलाकार रासलीला प्रस्तुत करेंगे। पं. गोविंद मिश्रा, सुमेश मिश्रा, कमलेश दुबे, मीरा पांडेय, नीलम पांडेय, कौशल किशोर पांडेय, सावित्री सिंह मौजूद रहे।

कानपुर से पैदल पहुंची दिव्यांग खुशी से मुख्यमंत्री ने की मुलाकात... उसके बनाए चित्रों को देख हुए भावुक

लखनऊ , एजेंसी। गरीबी व खामोशी से जूझ रही कानपुर की 20 वर्षीय खुशी गुप्ता के जीवन में बुधवार को नया सवेरा आया। अपने हाथों से बनाए चित्रों के माध्यम से सीएम योगी आदित्यनाथ तक अपना दर्द पहुंचाने की उसकी कोशिश रंग लाई।

खुद मुख्यमंत्री ने पहल करते हुए खुशी और उसके परिवार को अपने सरकारी आवास पर बुलाया, जहां न केवल उसके भविष्य को संवारने का वचन दिया गया, बल्कि परिवार की आर्थिक तंगी दूर करने के लिए आवास और शिक्षा की जिम्मेदारी भी उठाई। बुधवार को कानपुर के ग्वालटोली अहरानी निवासी खुशी अपने पिता कल्लू गुप्ता, माता गीता गुप्ता और भाई जगत गुप्ता के साथ मुख्यमंत्री आवास आई थी। आर्थिक दिक्कतों से जूझ रहे इस परिवार से योगी ने स्नेहपूर्वक बात की।

खुशी के पिता पहले संविदा पर गार्ड की नौकरी करते थे, जो अब छूट चुकी है। मां गीता गुप्ता घरों में काम करके परिवार का खर्च चलाती हैं। खुशी अपने साथ पीएम मोदी का चित्र भी लेकर आई थी। योगी ने उसे पास बुलाकर उसके बनाए सभी चित्रों को ध्यान से देखा। मुलाकात के बाद परिजनों ने कहा कि यह अनुभव शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है।

बिना बताए घर से निकली : खुशी की कहानी दृढ़ संकल्प की है। 22 नवंबर को वह बिना बताए अपने घर से अकेली निकल पड़ी थी। उसका एकमात्र उद्देश्य मुख्यमंत्री को अपने हाथ से बनाया चित्र देना था। राजधानी पहुंचने के बाद वह रास्ता भटक गई और लोकभवन के बाहर बैठकर रोने लगी। हजरतगंज पुलिस ने उसे संभाला और उसके परिवार को सूचना दी। खुशी पढ़ी-लिखी नहीं है, लेकिन अपने पिता का नाम और मुख्यमंत्री का नाम लिखना जानती थी।

सीएम ने खुद बुलाया खुशी के बारे में पता चलने पर योगी ने तुरंत उसके परिवार को अपने आवास पर बुलाया। सीएम ने उसके लिए कानपुर स्थित मूकबधिर कॉलेज में शिक्षा की व्यवस्था कराने का आश्वासन दिया। पढ़ाई और स्किल डेवलपमेंट के लिए मोबाइल और टैबलेट भी दिया। सरकार उसके कान के इलाज की भी व्यवस्था कर रही है। परिवार को आवास भी दिया जाएगा।

मतदाता पूछ रहे 2003 की सूची में कैसे देखें अपना नाम... हर रोज आ रहीं 200 कॉल

लखनऊ , एजेंसी। हेलो.... कंट्रोल रूम... मुझे एसआईआर फॉर्म भरना है, लेकिन 2003 की वोटर लिस्ट नहीं मिल रही है...। फॉर्म भरने की प्रक्रिया भी समझा दी जाए...। इस तरह की तमाम जानकारियां पाने के लिए मतदाता कंट्रोल रूम में कॉल कर रहे हैं। कंट्रोल रूम में तैनात कर्मचारी जानकारी जुटाकर मतदाताओं से साझा कर रहे हैं।

सहायक निर्वाचन अधिकारी अभय किशोर ने बताया कि कंट्रोल रूम जिला निर्वाचन कार्यालय में बनाया गया है, जिसका नंबर 0522-1950 है। कंट्रोल रूम में पांच कर्मचारी तैनात किए गए हैं। रोजाना करीब 200 कॉल आ रही हैं। अधिकतर मतदाता 2003 की वोटर लिस्ट और उसमें अपना या परिवार वालों का नाम नहीं खोज पा रहे हैं। कॉल रिसीव करने वाले कर्मचारी उन्हें ऑनलाइन प्रक्रिया समझा रहे हैं। यही नहीं, वोटर लिस्ट में किस बूथ पर और किस पेज पर नाम है, ये भी जानकारी दे रहे हैं।

सर... बीएलओ फॉर्म जमा करने नहीं आएः कुछ मतदाता बीएलओ की शिकायतें भी कर रहे हैं। रोजाना एक दो शिकायतें एसआईआर फॉर्म न मिलने की पहुंच रही हैं, लेकिन अधिकतर शिकायतें फॉर्म वापस जमा न कराने की हो रही हैं। मतलब बीएलओ ने पहले फॉर्म वितरित कर दिया और मतदाता उसे भरने के बाद वापस जमा करने के लिए बीएलओ का इंतजार कर रहे हैं। ऐसे मामलों में कंट्रोल रूम से संबंधित बीएलओ को कॉल कर प्रपत्र एकत्र करने को कहा जा रहा है।

खुद भी सक्रियता दिखाएं.....: एक महीने के भीतर सभी मतदाताओं के एसआईआर फॉर्म भरवाकर जमा करवाना है। एक-एक बीएलओ पर बड़ा बोझ है। प्रशासन के एक अफसर ने बताया कि फॉर्म भरकर जमा करने में मतदाताओं को भी सक्रियता दिखानी होगी। जिन्हें अब तक फॉर्म नहीं मिला है, वह अपने बीएलओ से संपर्क करें ओर फॉर्म भरकर जरूर जमा कर दें। वर्ना लिस्ट से नाम कट सकता है।

गुजारा भत्ता पति का दायित्व, मजदूरी करके भी पत्नी को देने होंगे पैसे; ये कहकर नहीं बच सकते

लखनऊ , एजेंसी। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने पारिवारिक विवाद के मामले में दिए फैसले में कहा कि मजदूरी करके भी पत्नी को गुजारा देना पति का दायित्व है। बेरोजगार होने की दलील देकर पति, पत्नी के भरण पोषण से मुकर नहीं सकता है। इस टिप्पणी के साथ कोर्ट ने पति की उस आपराधिक निगरानी याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें पत्नी को गुजारा भत्ता देने के लखनऊ के फैमिली कोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई थी। हाईकोर्ट ने अलग रह रही पत्नी को प्रति माह 2500 रुपए बतौर अंतरिम गुजारा भत्ता देने के फैमिली कोर्ट के आदेश को उचित करार दिया।

न्यायमूर्ति सौरभ लवानिया की एकल पीठ ने यह अहम फैसला पति की निगरानी याचिका पर दिया। इसमें पति ने बीते 20 अगस्त के फैमिली कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। मामले में पहले पत्नी ने फैमिली कोर्ट में पति से गुजारा दिलाए जाने की अर्जी दी थी। पत्नी की अर्जी के मुताबिक 28 नवंबर 2013 को दोनों का जालंधर, पंजाब में विवाह हुआ था। पत्नी का आरोप था कि विवाह के बाद उसके पति और ससुराल वाले उसे दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे। इसपर वह 2021 में अपने भाई के साथ लखनऊ वापस आ गई। उधर, पति ने बेरोजगार होने की बात कहकर पत्नी को गुजारा न दे पाने का तर्क दिया। फैमिली कोर्ट ने यह मानते हुए कि पति सक्षम व्यक्ति है, ऐसे में यदि वह एक श्रमिक के रूप में भी काम करे तो वह प्रतिमाह 12500 रुपए न्यूनतम मजदूरी कमा सकता है। इस आधार पर फैमिली कोर्ट ने पत्नी को 2500 रुपए प्रतिमाह गुजारे के रूप में देने का आदेश पति को दिया था। हाईकोर्ट ने, फैमिली कोर्ट के इस आदेश में कोई कानूनी त्रुटि या अनियमितता न पाते हुए इसे उचित करार दिया और पति की निगरानी याचिका खारिज कर दी।

एबीवीपी ने प्रशासनिक गेट के ताले तोड़े, कुलपति को घेरा

अलीगढ़, एजेंसी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने बुधवार को राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में छात्रों की समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया। प्रशासनिक भवन के गेट का ताला तोड़ दिया और कुलपति का घेराव किया। बाद में कुलपति को एक ज्ञापन सौंपा और सात दिन के भीतर समस्याओं का समाधान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कार्यकर्ता बुधवार को प्रशासनिक गेट पर पहुंचे और नारेबाजी करने लगे। बाद में प्रशासनिक भवन के गेट पर लगा ताला तोड़कर भीतर घुस गए। कार्यकर्ताओं का कहना है कि परा स्नातक पाठ्यक्रमों का सिलेबस अभी तक पूरा नहीं हो पाया है। प्रायोगिक विषय की प्रयोगशालाएं तक शुरू नहीं हुई है। इन्होंने बैक पेपर परीक्षा शुल्क में की गई वृद्धि को कम करने की मांग की और कहा कि इसका असर सामान्य व गरीब छात्रों का पड़ रहा है। परीक्षा परिणाम में बार-बार त्रुटियां होने, प्रवेश के लिए वेब पंजीकरण समय पूर्व बंद करने पर भी रोष व्यक्त किया। प्रदर्शन में मुख्य रूप से विभाग संगठन मंत्री विश्वेंद्र, इकाई अध्यक्ष दीपक भारद्वाज, इकाई मंत्री प्रवीण, महानगर मंत्री पीयूष भारद्वाज, महानगर आंदोलन संयोजक यथार्थ सिंह, हिमांक अरोरा, जतिन आर्य, रजत गुप्ता, आकाश सिंह आदि कार्यकर्ता एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

60 हजार की घूस लेकर गुपचुप शिफ्ट कर दी हाईटेंशन लाइन, जेई और एसडीओ समेत सात फंसे

लखनऊ , एजेंसी। लखनऊ के गोसाईगंज के अमेठी उपकेंद्र इलाके में किसान से 60 हजार रुपये की घूस लेकर बिना शुल्क जमा कराए ही 11 हजार वोल्ट की हाइटेंशन लाइन गुपचुप शिफ्ट कर दी। इस मामले में जेई-एसडीओ समेत सात कर्मचारी फंस गए हैं। इनमें दो जेई, एक एसडीओ, चार संविदा कर्मचारी शामिल हैं। इनमें से तीन संविदा कर्मियों को काम से हटा दिया गया। एक जेई भी निलंबित हो चुके हैं।

मध्यांचल निगम मुख्यालय के अफसरों ने बताया कि चमरतलिया गांव निवासी मंजीत की शिकायत पर अमौसी जोन के मुख्य अभियंता महफूज आलम को जांच के आदेश दिए गए थे। मुख्य अभियंता ने मोहनलालगंज के अधिशासी अभियंता श्रवण कुमार सिंह से जांच कराई।

जांच में जेई अमरेश सिंह, एसडीओ संतोष सिंह कुशवाहा, पूर्व जेई धीरज दीक्षित, संविदा कर्मी आरएम पांडेय, नौकरी से निष्कासित तीन संविदा कर्मी सुखदेव सिंह, संजीव व दिलीप दोषी पाए गए। अधिशासी अभियंता की जांच रिपोर्ट निगम मुख्यालय पहुंच चुकी है। जेई-एसडीओ से जवाब मांगा गया है। जवाब मिलने के बाद कार्रवाई होगी।

इनकी जा चुकी नौकरी, ये हो चुके निलंबित : इस मामले में संविदा कर्मी सुखदेव सिंह, सिंह, संजीव एवं दिलीप को नौकरी से हटाया जा चुका है। इस उपकेंद्र में पूर्व में में तैनात रह चुके जेई धीरज दीक्षित भी निलंबित हो चुके हैं जो बाद में बहाल होते ही दूसरे निगम में ट्रांसफर कर दिए गए।

यह था मामला: किसान मंजीत के खेत के बीचोंबीच से हाइटेंशन लाइन निकली थी। मंजीत ने एक संविदा कर्मी से लाइन हटाने के लिए कहा, तो उसने 80 हजार रुपये का खर्च बताया। हालांकि, संविदा कर्मी ने 60 हजार रुपये में लाइन शिफ्ट कराने का ठेका ले लिया। पूरी रकम लेकर आधा-अधूरी लाइन ही शिफ्ट की, जिसके बाद मंजीत ने शिकायत की और मामला खुला।

जेई-एसडीओ को आरोपपत्र जारी : अमौसी जोन अधीक्षण अभियंता टेक्निनल भविष्य कुमार सक्सेना का कहना है कि किसान से शुल्क जमा कराए बिना ही हाइटेंशन लाइन को अवैध रूप से शिफ्ट करने के मामले में एसडीओ संतोष सिंह कुशवाहा एवं जेई अमरेश सिंह को आरोपपत्र जारी किया गया है। संविदा कर्मी आरएम पांडेय के खिलाफ भी कार्रवाई करने की रिपोर्ट मध्यांचल विद्युत वितरण निगम मुख्यालय भेजी गई है।

विमेंस ब्लाइंड टी20 विश्व कप विजेता टीम से मिले राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को ब्लाइंड टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम से नई दिल्ली स्थित 10 जनपथ में मुलाकात की। इस मौके पर राहुल गांधी ने खिलाड़ियों को विश्व कप जीत की बधाई दी। भारत ने रविवार को कोलंबो में खेले गए खिताबी मुकाबले में नेपाल के खिलाफ 7 विकेट से जीत दर्ज की थी। इस मुकाबले में नेपाल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 5 विकेट खोकर 114 रन बनाए। नेपाल की तरफ से सरिता घिमिरे ने सर्वाधिक 35 रन बनाए, जबकि बिमला रानी ने 26 रन की पारी खेली। इसके जवाब में टीम इंडिया ने 12.1 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। भारत की तरफ से फुला सरेन ने सर्वाधिक 44 रन बनाए, जबकि करुणा ने 42 रन की पारी खेली। इनके अलावा, बसंती हासंदा ने 13 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। भारत ने इस विश्व कप ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, पाकिस्तान, नेपाल और यूएसए को शिकस्त देकर खिताब जीता। सेमीफाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया पर 9 विकेट से जबरदस्त जीत हासिल की थी। इस टूर्नामेंट में टीम इंडिया ने अपने सभी 7 मैच जीते। भारतीय टीम जब खिताब जीतकर भारत लौटी, तो बेंगलुरु एयरपोर्ट पर टीम का जोरदार स्वागत किया गया। इस मौके पर टीम ने केक काटकर जीत का जश्न मनाया। भारतीय कप्तान दीपिका ने विश्व कप खिताब जीतने पर खुशी जताते हुए कहा था, 'हमें भारत को खिताब जिताकर बेहद खुशी है। पूरी टीम ने एकसाथ मिलकर शानदार प्रदर्शन किया है खिलाड़ियों ने अपनी जिंदगी में काफी मेहनत की है। यह हमारे लिए गर्व का पल है। वहीं, ऑलराउंडर सुषमा पटेल के अनुसार, इस खिताबी जीत ने खिलाड़ियों की जिंदगी बदल दी है। यह सपने के सच होने जैसा है। गंगा कदम ने बताया कि विश्व कप से पहले उन्हें नेपाल एक मजबूत टीम लग रही थी, लेकिन जब टीम इंडिया टूर्नामेंट में उतरी, तो दूसरी टीमें उनसे डर रही थीं।

सीएसके से रिलीज हुए इस खिलाड़ी ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में मचाई धूम

36 गेंदों में ठोके नाबाद 76 रन और 6 छक्के

नई दिल्ली, एजेंसी। चैन्नई सुपर किंग्स द्वारा रिलीज किए जाने के बाद राजस्थान के स्टार बल्लेबाज दीपक हूडा ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 के पहले ही दिन अपने जलवे बिखेर दिए। उन्होंने 36 गेंदों में नाबाद 76 रन बनाकर 6 छक्के लगाए और वरुण चक्रवर्ती की कप्तानी में खेल रही तमिलनाडु को 6 विकेट से हरा दिया।

हूडा का धमाकेदार प्रदर्शन

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम बी ग्राउंड में 170 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए, हूडा चौथे ओवर में मैदान में आए और आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने विशेष रूप से लेफ्ट-आर्म स्पिनर आर. साई किशोर और आर. राजकुमार को निशाना बनाया। शुबहम गर्वाल के 32 रन पर आउट होने से उनका उत्साह कम नहीं हुआ। हूडा ने केवल 22 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, जिसमें 4 चौके और 4 छक्के शामिल थे।तीसरे विकेट के लिए महिपाल लोमर के साथ 67 रन की साझेदारी ने राजस्थान को जीत के कगार पर ला दिया। अंत में, कार्तिक शर्मा के साथ मिलकर राजस्थान ने 21 गेंदें बचाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

तमिलनाडु की बल्लेबाज़ी संघर्षपूर्ण

तमिलनाडु ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी का निर्णय लिया। शुरुआत अच्छी रही, लेकिन शीर्ष क्रम जल्दी आउट हो गया। साई किशोर ने अपनी भूमिका निभाने में नाकाम रहे और शाहरुख खान रन आउट हो गए। नारायण जगदीशन ने 29 रन की पारी खेली, लेकिन कोई बड़ा स्कोर नहीं बन सका। अंत में सोनू यादव ने नाबाद 43 रन बनाए। वरुण चक्रवर्ती ने नाबाद 11 रन ही बनाए। टीम का स्कोर 169/8 रहा।

हूडा की आईपीएल में संघर्ष की कहानी

दीपक हूडा पिछले तीन आईपीएल सीज़न में संघर्ष कर रहे थे। सीएसके के लिए उन्होंने 5 पारियों में मात्र 31 रन बनाए। लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ भी दो सीजन खराब रहे। आईपीएल 2022 में उन्होंने 451 रन बनाए थे। अब सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में लगातार प्रदर्शन करके वह फ्रेंचाइजीज का ध्यान खींचना चाहते हैं.

अहमदाबाद बनेगा भारत की खेल राजधानी!

सीडब्ल्यूजी 2030 के बाद 2028 और 2031 विश्व एथलेटिक्स की मेजबानी का प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रमंडल खेलों (2030) की मेजबानी हासिल कर चुके अहमदाबाद ने अब 2028 विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप और 2031 विश्व सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए भी दावेदारी पेश की है।

राष्ट्रमंडल खेलों (2030) की मेजबानी हासिल कर चुके अहमदाबाद ने अब 2028 विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप और 2031 विश्व सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए भी दावेदारी पेश की है। भारतीय अधिकारियों ने कहा कि गुजरात का यह शहर 2036 ओलंपिक की मेजबानी की अपनी दावेदारी मजबूत करने के लिए लगातार बड़े वैश्विक टूर्नामेंट कराने की दिशा में काम कर रहा है।

'कॉमनवेल्थ स्पोर्ट' की जनरल असेंबली ने हाल ही में अहमदाबाद को 2030 राष्ट्रमंडल खेलों का आधिकारिक मेजबान घोषित किया है। इस घोषणा के बाद गुजरात सरकार ने शहर को खेलों का वैश्विक केंद्र बनाने की अपनी मंशा साफ कर दी है। गुजरात सरकार में प्रधान सचिव (खेल) अश्वनी कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हम ऐसा ढांचा तैयार कर रहे हैं जिससे अहमदाबाद भारत की खेल राजधानी बन सके।

हमारा लक्ष्य विश्वस्तरीय प्रशिक्षण सुविधाएँ तैयार करना, उत्कृष्ट एथलीट तैयार करना और एशियाई, महाद्वीपीय तथा विश्व स्तरीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी करना है।' उन्होंने आगे बताया, 'हम 2028 में विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2031 में विश्व सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप और 2033 में विश्व एक्वेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए प्रस्ताव भेज चुके हैं।

उर्विल पटेल ने 31 गेंद में ठोका तूफानी शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में गुजरात और सर्विसेज के बीच खेले गए मुकाबले में गुजरात के बल्लेबाज उर्विल पटेल ने सिर्फ 31 गेंदों में तूफानी शतक जड़ा और अपनी टीम को एक शानदार जीत दिलाई. वहीं उर्विल को आईपीएल 2026 के लिए चेन्नई सुपर किंग्स ने रिटेन कर लिया है.

जिन्हें फ्रेंचाइजी ने पिछले सीजन के लिए मेगा ऑक्शन में 30 लाख रुपये में खरीदा था. उर्विल का आईपीएल 2026 से पहले शानदार फॉर्म में आना सीएसके के लिए अच्छी खबर है, क्योंकि वे अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं.

उर्विल पटेल ने ठोका तूफानी शतक

इस मुकाबले में सर्विसेज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात को 183 रनों का टारगेट दिया. जवाब में, लक्ष्य का पीछा करते हुए कप्तान उर्विल पटेल ने पहली ही गेंद से विस्फोटक अंदाज में बल्लेबाजी की और इन्हें रोकने में सर्विसेज के गेंदबाज नाकामयाब रहे. उर्विल ने 300 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से सिर्फ 37 गेंदों में नाबाद 119 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली और उन्होंने इस पारी में 12 चौके और 10 छक्के भी लगाए.

गुजरात ने महज 12.3 ओवर में किया चेज

कप्तान उर्विल की विस्फोटक पारी की बदौलत गुजरात ने महज 12.3 में 183 रनों के टारगेट को चेज कर दिया. लक्ष्य का पीछा करने कप्तान उर्विल पटेल के साथ आर्य देसाई ओपनिंग करने उतरे और दोनों ने पहले विकेट के लिए 174 रनों की साझेदारी की थी. जहां उर्विल ने भारतीय बल्लेबाज के द्वारा टी20 का तीसरा सबसे तेज शतक महज 31 गेंद में लगाया. वहीं आर्य ने 171.43 की स्ट्राइक रेट से 35 गेंदों में 60 रनों की शानदार पारी खेली. जिसमें 6 चौके और 3 छक्के शामिल थे.

सीएसके के लिए आई अच्छी खबर

आईपीएल 2026 सीजन के पहले उर्विल ने इस पारी से ये बता दिया है कि चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते हुए तहलका मचाने को तैयार बैठे हैं. आईपीएल 2025 सीजन के लिए हुए मिनी ऑक्शन में 5 बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स ने उर्विल पटेल को खरीदा था. वहीं आगामी आईपीएल सीजन के लिए उन्हें सीएसके ने रिटेन कर लिया है.

'गौतम मेरा रिश्तेदार नहीं है'

भारत की सबसे बड़ी टेस्ट हार पर रविचंद्रन अश्विन का तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को घरेलू मैदान पर टेस्ट इतिहास की अपनी सबसे बड़ी हार (408 रन) झेलनी पड़ी। साउथ अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट में भारत को हराने के साथ ही दो टेस्ट मैच की सीरीज भी 2-0 से अपने नाम की। इस करारी शिकस्त के बाद गौतम गंभीर की कोचिंग को लेकर चौतरफा सवाल खड़े हो गए। गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में उन्हें हूटिंग तक झेलनी पड़ी। ऐसी हार उस टीम के लिए और भी शर्मनाक है, जिसका दशकों तक घरेलू हालात में दबदबा था। टीम इंडिया की घर में रनों के अंतर के लिहाज से सबसे बड़ी हार के बाद से खिलाड़ी और मैनेजमेंट दोनों ही निशाने पर हैं। हेड कोच गौतम गंभीर की भी आलोचना तेज हो गई है। इस बीच, रविचंद्रन अश्विन ने इस मुद्दे पर अपना नजरिया पेश किया। उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर संयम और मिलकर जिम्मेदारी निभाने की अपील की। वरिष्ठ ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने साफ शब्दों में यह संदेश दिया कि हार की पूरी जिम्मेदारी सिर्फ कोच पर डालना गलत है, खिलाड़ियों को भी आत्ममंथन करना होगा। रविचंद्रन अश्विन ने 'आटा होगा तभी रोटी बनेगी' वाला उदाहरण देते हुए कहा, 'गौतम मेरा रिश्तेदार नहीं है।'

कोच खेलने नहीं जा सकता: अश्विन

अश्विन ने कहा, 'हम जिम्मेदारी पूछना चाहते हैं। यह आसान है, क्योंकि इंडियन क्रिकेट में... आप जानते हैं और मैं भी जानता हूं... इसमें बहुत कुछ मिलता है और बहुत पैसा भी लगता है। बहुत से लोग यह काम करने के लिए तैयार हैं और हमेशा ऐसे लोग होंगे जो इसमें हाथ आजमाएंगे, लेकिन सच तो यह है कि कोच बल्ला उठाकर खेलने नहीं जा सकता। वह सिर्फ अपना काम कर सकता है, खिलाड़ियों से बात कर सकता है। बस इतना ही।' अश्विन का मानना है कि कोच और कप्तान के फैसले लेने की क्षमता में हमेशा सुधार होने की गुंजाइश रहती है, लेकिन उसे लागू करना खिलाड़ियों का काम है। अश्विन ने कहा, 'एक कोच क्या कर सकता है? खुद को कोच की जगह रखकर देखो। आप कह सकते हैं कि खिलाड़ी को निरंतरता चाहिए..., मैं इससे सहमत हूं कि अभी असुरक्षा है और बहुत रोटेशन हुआ है, लेकिन खेलना, परफॉर्म करना और स्किल दिखाना खिलाड़ी की जिम्मेदारी है। अश्विन ने जोर देते हुए कहा, 'बतौर खिलाड़ी आपको उस चीज को नियंत्रण करना चाहिए जो आपके कंट्रोल में है। फैसले लेने का काम कोच और कप्तान का होता है।

फिडे चेस वर्ल्ड कप:

19 साल के जवोखिमीर सिनदारोव ने रचा इतिहास, सबसे कम उम्र के शतरंज विश्व कप चैंपियन बने

गोवा, एजेंसी। टाईब्रेक में खेले गए रोमांचक मुकाबले में 19 वर्षीय सिनदारोव ने वेई यी की एक गलती का फायदा उठाते हुए अपना पहला विश्व कप खिताब जीता और इसी के साथ विश्व कप इतिहास के सबसे कम उम्र के चैंपियन भी बन गए। उज्बेकिस्तान के युवा ग्रैंडमास्टर जवोखिमीर सिनदारोव ने इतिहास रचते हुए चीन के वेई यी को फाइनल में हराकर फिडे चेस विश्व कप अपने नाम कर लिया। टाईब्रेक में खेले गए रोमांचक मुकाबले में 19 वर्षीय सिनदारोव ने वेई यी की एक गलती का फायदा उठाते हुए अपना पहला विश्व कप खिताब जीता और इसी के साथ विश्व कप इतिहास के सबसे कम उम्र के चैंपियन भी बन गए।

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए भी किया क्वालिफाई

सिनदारोव की यह जीत इसलिए भी खास है क्योंकि वे इस मेगा इवेंट में 16वीं सीड के रूप में उतरे थे। वह पिछले एक साल में बड़ी चेस प्रतियोगिताओं को जीतने वाले तीसरे किशोर खिलाड़ी बन गए। 2024 में गुकेश ने विश्व चैंपियनशिप जीती थी, जबकि दिव्या देशमुख ने इस साल महिला चेस विश्व कप खिताब अपने नाम किया था। सिनदारोव और वेई यी दोनों ने कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। इनके अलावा रूस के आंद्रे एसिपेंको ने तीसरा और अंतिम स्लॉट हासिल किया।

महिला बिग बैश लीग:

सीजन के बाकी मैच नहीं खेलेंगी जेमिमा रोड्रिग्स

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स महिला बिग बैश लीग में सीजन के बाकी मैचों के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगी। उनकी टीम ब्रिस्बेन हीट ने इसकी पुष्टि की है। ब्रिस्बेन हीट ने बताया, 'जेमिमा रोड्रिग्स महिला बिग बैश लीग के बाकी मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया वापस नहीं आएंगी। रोड्रिग्स 10 दिन पहले होबार्ट हरिकेंस के साथ हीट के मैच के बाद मंधाना की शादी में हिस्सा लेने के लिए घर आई थीं, लेकिन उनके पिता के बीमार पड़ने पर इवेंट कैंसिल कर दिया गया।

24 साल की जेमिमा ने परिवार को सपोर्ट करने के लिए भारत में रहने का फैसला किया है। टीम उनके फैसले का सम्मान करती है।' टीम के सीईओ टेरी स्वेनसन ने कहा कि जेमी के लिए यह मुश्किल समय रहा है। दुख की बात है कि वह महिला बिग बैश लीग में आगे हिस्सा नहीं लेंगी, लेकिन हम भारत में रहने की उनकी रिक्वेस्ट मानने को तैयार थे। हीट क्लब साफ तौर पर उन्हें और स्मृति मंधाना के परिवार को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता है। रोड्रिग्स के फैंस में निराशा है। वह इस साल क्लब की टॉप इंटरनेशनल ड्राफ्ट पिक थीं और ब्रिस्बेन के साथ अपने दूसरे स्टिंट में थीं, लेकिन हम उनकी बेहतरी को प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'जेमी ने हमें बताया कि वह वापस न आ पाने से निराश हैं, और उन्होंने क्लब और हीट के फैंस को हालात को समझने के लिए तारीफ की है। वह खिलाड़ियों के टच में हैं और उन्होंने बाकी मैचों के लिए शुभकामनाएं दी हैं। ' जेमिमा रोड्रिग्स भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सर्वाधिक प्रतिभाशाली बल्लेबाजों में से एक हैं।

9 साल बाद घरेलू धरती पर खिताब जीतने उतरेगा भारत, पीआर श्रीजेश की भी होगी परीक्षा

एफआईएच जूनियर वर्ल्ड कप:

नई दिल्ली, एजेंसी। एफआईएच जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में भारतीय टीम शुक्रवार से अपना अभियान शुरू करेगी। चेन्नई और मुदरई में आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट में भारतीय जूनियर हॉकी टीम की नजरें होगीं 9 साल बाद घरेलू सरजमीं पर खिताब का सूखा खत्म करने पर।

भारतीय टीम इस टूर्नामेंट के इतिहास में संयुक्त रूप से दूसरी सबसे सफल टीम है। भारत शुक्रवार को पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप के अपने पहले पूल मैच में चिली के खिलाफ उतरेगा। इस मैच में बड़ी जीत दर्ज करके भारतीय टीम अपने अभियान का शानदार आगाज करने की कोशिश करेगी। आपको बता दें कि दो बार के चैंपियन भारत ने पिछली बार 2016 में लखनऊ में वर्तमान में सीनियर महिला टीम के कोच हरेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में यह टूर्नामेंट जीता था। भारतीय टीम 2001 में होबार्ट में और 2016 में लखनऊ में चैंपियन बनी थी। मौजूदा टूर्नामेंट में भारत को पूल बी में रखा गया है और वह इस ग्रुप से आगे बढ़ने का प्रबल दावेदार है। भारत और चिली के अलावा, ओमान और स्विट्जरलैंड पूल बी में शामिल अन्य टीमें हैं।

पाकिस्तान ने वापस लिया था नाम: पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत का दौरा करने से इनकार कर दिया था जिसके बाद उसकी जगह पर ओमान को शामिल किया गया था।

46 साल पहले 1979 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट में जर्मनी सबसे सफल टीम है, जिसने सात खिताब जीते हैं। भारत के अलावा अर्जेंटीना ने भी दो बार 2005 और 2021 में जूनियर विश्व कप जीता था।

पाकिस्तान ने 1979 में वर्सेल्स (फ्रांस) में खेला गया पहला विश्व कप अपने नाम किया था, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 1997 में मिल्टन कीन्स में भारत को हराकर यह खिताब जीता था। भारत 2023 में कुआलालंपुर में खेले गए पिछले जूनियर विश्व कप में चौथे स्थान पर रहा था। वह कांस्य पदक के मैच में स्पेन से 1-3 से हार गया था। जर्मनी तब चैंपियन बना था।